CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-329
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

महान लोग सदैव स्वयं की खोज में रहते हैं। जिस ज्ञान से मनुष्य स्वयं को जान सके वही सच्चा ज्ञान है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 05 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

हाईकोर्ट का मध्यप्रदेश सरकार से सवाल...

सरकार ने डीजे पर बैन लगाने लिए क्या कार्रवाई की ?

जबलपुर। मध्यप्रदेश में डीजे की कानफोड़ू आवाज के कारण लोगों की मौत की कई खबरें आ चुकी है। अब मप्र हाईकोर्ट डीजे पर बैन लगाने को लेकर सख्त है। जबलपुर उच्च न्यायालय ने तेज आवाज में बजने वाले डीजे को लेकर मध्यप्रदेश सरकार से जवाब तलब किया है। राज्य सरकार को जवाब देने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया गया है। उच्च न्यायालय ने पूछा है कि तेज आवाज में बज रहे डीजे पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार ने अभी तक क्या कार्रवाई की है? क्या कोई डायरेक्शन निर्धारित किए हैं। डीजे की आवाज कितनी होना चाहिए? दरअसल, जबलपुर के अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने हाईकोर्ट में इस संबंध में जनहित याचिका दायर की थी। मंगलवार को चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की है। अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने याचिका में कहा कि इन दिनों हर कार्यक्रम में तेज आवाज में डीजे बजाने का चलन है। कानफोड़ू डीजे पर्यावरण को तो नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके साथ ही सामाजिक समरसता के लिए भी घातक है। डीजे के प्रयोग से ध्वनि प्रदूषण हो रहा है, जिसके चलते लोग बीमार हो रहे हैं। इतना ही नहीं समाज में डीजे के कारण ही तनाव फैल रहा है और इसकी आवाज से दंगे-फसाद हो रहे हैं।

तेज आवाज से होने वाली बीमारी का इलाज नहीं याचिकाकर्ता का कहना है कि तेज आवाज से होने वाली बीमारी का इलाज भी नहीं है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कोर्ट रूम में भी बाकायदा मोबाइल एप से साउंड पॉल्यूशन रिकार्ड कर प्रैक्टिकल करते हुए कोर्ट को बताते हुए कहा कि यहां पर शांतिपूर्ण ढंग से सुनवाई हो रही है, बहस चल रही है, तब भी ध्वनि का पैरामीटर 60 डेसिबल दिखा रहा है। ऐसे में समझा जा सकता है कि जब सड़क पर तेज आवाज में डीजे बजता है, तो यही डेसिबल कितना होगा।

भोपाल में जा चुकी है 13 वर्षीय किशोर की जान एडवोकेट अमिताभ गुप्ता ने याचिका में भोपाल के एक मामले का भी का जिक्र किया। याचिका में यह भी बताया गया कि तेज आवाज में बजने वाले कानफोड़ू साउंड अब लोगों की जान भी लेने लगे हैं। जिसका हाल ही के समय में कुछ उदाहरण भी सबके सामने है। अमिताभ गुप्ता ने कोर्ट को बताया कि भोपाल में 17 अक्टूबर को डीजे की तेज आवाज से 13 वर्षीय समर बिल्लौरे की मौत हो गई थी। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जा रहे चल समारोह में तेज आवाज में डीजे बज रहा था। वह दोस्तों के साथ भीड़ में शामिल हो गया और नाचने लगा। तभी अचानक डीजे का साउंड तेज होने पर समर गिरकर बेहोश हो गया। तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बहरहाल, इस मामले में अब अगली सुनवाई 21 मार्च को होगी।

जनजातीय देव लोक महोत्सव- मांदल की थाप, ढोल की गमक, मंझीरों की खनक और झांझ की ताल से गूंज उठा सीएम हाउस, सीएम डॉ. मोहन यादव ने पुष्प वर्षा के साथ किया जनजातीय प्रतिनिधियों का स्वागत

...अब भगोरिया हो गया राजकीय उत्सव

मुख्यमंत्री बोले- सीएम आवास अब जनता का घर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को सीएम हाउस में जनजातीय देव लोक महोत्सव में जनजातीय समाज के लिए बड़ी घोषणा की। सीएम ने कहा कि अब सरकार भी भगोरिया समेत अन्य जनजातीय उत्सव बड़े और राजकीय स्तर पर पर मनाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सीएम डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्वलन एवं जनजातीय देव आराधना के साथ किया। उन्होंने प्रदेशभर से आए जनजातीय प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों का स्वागत पुष्प वर्षा के साथ किया। इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, मंत्री संपतिया उइके, नागर सिंह चौहान सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेशभर से आए जनजातीय समुदाय के मांदल की थाप, ढोल की गमक, मंझीरों की खनक और झांझ की ताल से सीएम हाउस गूंज उठा। इस कार्यक्रम में जनजातीय समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए।

सीएम हाउस में जनजातीय देव लोक महोत्सव के मौके पर सीएम ने मुख्यमंत्री आवास को जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह आवास अब जनता का घर है। हमारे जनजातीय समाज में गोंडी भाषा, कोरकू भाषा, भीली भाषा, भिलाला भाषा सहित कई भाषाएं हैं। इन भाषाओं की आवाज आत्मा से आती है। हमें भले ही इन भाषाओं के शब्द नहीं आते, लेकिन इनमें से प्रेम का रस टपकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए अभी कोई चुनाव का समय नहीं है, लेकिन मैं इस प्रेम की गंगा और परंपरा-संस्कृति के आनंद में खुद और आपसभी को डुबकी लगवाना चाहता हूं। हमारे सभी तीज-त्योहार अहम हैं। इन त्योहारों को मनाने का आनंद ही अलग है। इनमें भी जनजातीय महोत्सवों का अपना आनंद है।

जीवन की खुशियों का अहसास कराता है भगोरिया सीएम ने कहा कि हमारे यहां भगोरिया का भी विशेष महत्व है। यह हमें जीवन की खुशियों का अहसास कराता है। हमने देवी-देवता नहीं देखे, लेकिन जनजातीय समाज को देखते हैं तो सारे देवी-देवताओं को नमन करने की इच्छा हो जाती है। जनजातीय समाज भोला-भाला समाज है। उसे जो मिल गया-जैसा मिल गया, आनंद के साथ ग्रहण करता है। जनजातीय समाज दोस्ती में जान भी दे सकता है। जनजातीय जिस तरह से परंपराएं निभाते हैं वो पूरे देश के लिए गौरव की बात है।

जनजातीय समाज संकट में भी डरा नहींसीएम ने कहा कि जब कभी देश का खराब समय आया, जब भी देश के सामने कोई चुनौती आई, तो बाकी लोग भले ही दब गए होंगे, डर गए होंगे, लेकिन हमारा जनजातीय समाज नहीं डरा और चुनौतियों का छाती ठोंक कर मुकाबला किया। भगवान बिरसामुंडा, मामा टंट्याभील ने अंग्रेजों को वो धूल चटाई कि उन्हें अपनी हैसियत पता चल गई। हमने टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय बनाया। रानी दुर्गावती ने जीवन में जो युद्ध लड़ा, वो जीता। गोंडवाना की इस रानी ने 51 युद्ध लड़े और अच्छे-अच्छों को पानी पिलाया। 52वें युद्ध में जब उन्होंने देखा कि युद्ध हार जाऊंगी तो किसी के शरीर छूने से पहले ही अपने प्राण त्याग दिए। हम सभी को उनके बलिदान को याद रखने की जरूरत है। हमारे जनजातीय समाज ने अपने जन्म को सफल कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पधारे हर जनजातीय कलाकार के बैंक खाते में 5-5 हजार रुपए डालने की घोषणा करता हूं। इसी प्रकार 946 जनजातीय कलाकारों के खाते में 46 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर की जाएगी। 3000 रुपए के मान से प्रति पेसा ग्राम सभा को राशि डालेंगे। इस तरह 3 करोड़ 47 लाख रुपये की राशि से ग्राम सभाएं अपने-अपने देवस्थानों का विकास कर पाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेसा ग्राम सभा को 3-3 हजार रुपए वित्तीय सहायता के लिए चेक भी वितरित किए।

सभी देवी-देवताओं के स्थानों का होगा विकास सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के लिए बहुत काम किया। उन्होंने हर छोटी-छोटी जगहों पर भी सड़कें बनाने का काम किया है। हम शक्ति का केंद्र निचले स्तर पर बनाएंगे। सभी देवी-देवताओं के स्थानों को अच्छे से अच्छा बनाएंगे। अब राज्य सरकार भगोरिया जैसे स्थानीय उत्सवों को राजकीय स्तर पर मनाएगी। इसकी शुरुआत भगोरिया उत्सव से ही होगी। हमारी सरकार ने ढाई लाख वन अधिकार पत्र वितरित किए हैं। सभी खेतों में पानी पहुंचाएंगे। बिजली की व्यवस्था करेंगे। आने वाले 3 साल में सभी किसानों को सोलर पंप दिए जाएंगे। किसान खुद की बनाई बिजली से ही खेती और बागवानी कर पाएंगे। जनजातीय किसान अतिरिक्त बिजली सरकार को बेच सकेंगे।

हादसा या हत्या?

रीवा में बस पर पथराव, पत्थर लगने से इंदौर के डॉक्टर की मौत

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों द्वारा एक चलती बस पर पथराव कर दिया गया। इस घटनाक्रम में बस में यात्रा कर रहे इंदौर के डॉक्टर के सिर पर एक बड़ा पत्थर लग गया। गंभीर हालत में उन्हें संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान डॉक्टर की मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस मामला दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गयी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार रीवा से इंदौर जा रही इंटरसिटी यात्री बस सोमवार शाम चोरहटा थाना क्षेत्र के सतपुड़ा आईटीआई के सामने पहुंची, तभी मोटर साइकिल से आए तीन अज्ञात बदमाशों ने बस पर अचानक पथराव कर दिया। इस घटना में बस सवार एक यात्री डॉ. हीरामणि कोरी (35) की मौत हो गई। घटना के बाद अज्ञात बदमाश मौके से फरार हो गए। वहीं, बस चालक को भी इस घटनाक्रम में चोट आयी है, जिसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस अज्ञात बदमाशों की तलाश में जुटी है। माना जा रहा है कि बस संचालकों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते इस घटना को अंजाम दिया गया है। डॉ. हीरामणि कोरी परिवार से मिलने इंदौर जा रहे थे। घटना की सूचना पर इंदौर से रीवा पहुंची डॉक्टर की पत्नी मुक्ता ने पति का शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे बेकसूर पति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मैं तब तक शव नहीं लूंगी। जब तक आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती। डॉ. हीरामणि के सहकर्मी राहुल सिंह ने बताया कि वे दो बच्चों के पिता है। उनका एक 5 साल का बेटा और 2 साल की बच्ची है।

मप्र में विकास प्राधिकरण शहर के बाहर भी कर सकेंगे विकास कार्य

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा हुई। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर एवं ग्राम निवेश की धारा 66 में संशोधन को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इसके तहत अब सरकार के प्राधिकरण जैसे बीडीए, आईडीए प्लानिंग एरिया के बाहर रोड, पुल, पुलिया समेत अन्य विकास कार्य समेत कॉलोनियां काट सकेंगे। वहीं, साडा शहर के अंदर विकास कार्य कर सकेगा। इसमें 500 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी जाएगी। अब नए प्रावधान के तहत संबंधित प्राधिकरण को एक प्लानिंग तैयार करनी होगी, जिसे राज्य शासन के पास लाकर अनुमति प्राप्त करनी होगी। दरअसल भोपाल, इंदौर समेत कई बड़े शहरों में मास्टर प्लान 10 से 15 साल पीछे चल रहे हैं।

यह संकल्प खास है...

बिना प्रेस किए कपड़े पहनेंगे मप्र के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर

भोपाल। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। वजह है बिजली बचाने और प्रदूषण रोकने के लिए उनकी ओर से लिया गया संकल्प। मंत्री ने प्रण लिया है कि वे एक साल तक बिना प्रेस किए कपड़े पहनेंगे। मंत्री का कहना है कि इससे हर दिन आधे यूनिट बिजली की बचत होगी। तोमर ने कहा कि वे अपनी बेटी की शादी के दिन भी बिना प्रेस किए ही कपड़े पहनेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को पीठ पर सिलेंडर न लादने पड़ जाए, इसलिए यह निर्णय लिया। तोमर ने मीडिया से बातचीत में अपने फैसले को समझाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, हम सबको बिजली की बचत करनी चाहिए। जितनी जरूरत हो उतनी ही खपत करे। हम सबको छोटी-छोटी पहल करती रहनी चाहिए। एक वर्ष तक के लिए मैंने पहल की है। प्रदूषण रोकने के लिए हम सब बराबर प्रयास कर रहे हैं। मैं बिना प्रेस कपड़े इसलिए पहन रहा हूं कि हमारे शहर का प्रदूषण कम हो। संदेश देने का काम है कि हम सब मिलकर काम करें। एक ड्रेस में आधा यूनिट बिजली जलती है, इससे जो प्रदूषण पैदा होता है, सालभर का गुणा-भाग है, जोड़ेंगे तो वह चार वृक्ष के बराबर है। ऊर्जा मंत्री के बयान पर अब सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस अब इसे मंत्री की नौटंकी बता रही है। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष आरपी सिंह ने कहा कि ऊर्जा मंत्री हमेशा सुर्खियों में रहने के लिए नौटंकी करते हैं और अब यह नौटंकी वेब सीरीज का अगला पार्ट है। अगर मंत्री को बिजली बचाने की इतनी चिंता है तो उनके साथ जो 10-10 गाड़ियां चलती हैं और उसे वायु प्रदूषण होता है उन गाड़ियों को छोड़े और साइकिल से चलना शुरू कर दें।

ट्रेजर ग्रुप 600 करोड़ रुपए का निवेश कर खंडवा में बनाएगा लक्जरी रिसॉर्ट

भोपाल। ट्रेजर ग्रुप छह सौ करोड़ रुपए का निवेश कर खंडवा जिले के नजरपुरा आईलैंड में लक्जरी रिसॉर्ट बनाएगा। यह ग्रुप खजुराहो में मिनी गोल्फ कोर्स एवं रिसॉर्ट तथा सांची में गोल्फ कोर्स एवं लक्जरी रिसॉर्ट भी बनाएगा। वहीं अमेजन प्राइम, हालीवुड प्रोजेक्ट, जी फाइव और अन्य निवेशक मिलकर मध्यप्रदेश में तीन सौ करोड़ रुपए खर्च कर नए प्रोजेक्ट शुरू करेंगे। ट्रेजर समूह आने वाले समय में खंडवा जिले के नजरपुरा आईलैंड में लक्जरी रिसॉर्ट बनाएगा। दतला पहाड़ खजुराहों के समीप मिनी गोल्फ कोर्स भी समूह बनाएगा। साथ ही यहां एक लक्जरी रिसार्ट भी बनाएगा। समूह सांची के पास भी एक गोल्फ कोर्स और लक्जरी रिसॉर्ट का निर्माण करेगा। इन सब पर ट्रेजर समूह छह सौ करोड़ रुपए खर्च करेगा।

मप्र पर्यटन विकास निगम ने शुरू की तैयारी ट्रेजर ग्रुप का अगले 5 साल में निवेश का प्लान है। भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ट्रेजर ग्रुप ने निवेश के लिए यह प्रस्ताव दिए। मप्र पर्यटन विकास निगम ने इसे लेकर अब तैयारियां शुरू कर दी है। ट्रेजर ग्रुप इंदौर का है। ग्रुप के यहां पर कई प्रोजेक्ट्स हैं। कंपनी रियल एस्टेट विकास, पैकेजिंग उत्पादों के निर्माण, पवन ऊर्जा उत्पादन, हर्बल उत्पादों समेत अन्य गतिविधियों में शामिल हैं। ग्रुप ने तीनों ही जगहों पर 600 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव दिया है।

सिनेमा हॉल निर्माण के 8 प्रस्ताव भी मध्यप्रदेश में सिनेमा हॉल के निर्माण और पुनर्निमाण के आठ प्रस्ताव भी नई नीति के तहत बुरहानपुर, कटनी, इंदौर, खजुराहो के लिए मिले है। इन पर 37 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। बता दें कि आईएचसीएल भी मध्यप्रदेश में विभिन्न नेशनल पार्क, भोपाल, एवं इंदौर में नौ होटल्स शुरू कर चुकी है। समूह अब इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर एवं पेंच में पांच नई इकाइयों की स्थापना करेगा। इसके लिए समूह मध्यप्रदेश में 1907 करोड़ रुपए खर्च करेगा। एमआरएस ग्रुप द्वारा महेन्द्र भवन पन्ना, क्योटी किला रीवा एवं सिंहपुर महल चंदेरी में डेढ़ सौ करोड़ रुपए खर्च कर लक्जरी बुटिक होटल विकसि किए जाएंगे। प्रमुख वैश्विक आतिथ्य कंपनी हिल्टन जबलपुर और भोपाल में 254 कमरों की दो इकाईयों शुरू करेगी। इस पर दो सौ करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

अवैध कॉलोनियों पर सख्ती, वैध करने की प्रक्रिया हुई धीमी

इंदौर। अवैध कॉलोनियों को वैध करने की प्रक्रिया अब धीमी हो गई है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और उन्हें वैध नहीं किया जाएगा। इसी क्रम में शासन ने वैध और अवैध कॉलोनियों की सूची जारी की है, जिससे आम जनता को धोखाधड़ी से बचाया जा सके। शासन के मुताबिक, पूरे प्रदेश में 8,000 से अधिक अवैध कॉलोनियां चिन्हित की गई हैं, जिनमें से 600 पर एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इंदौर नगर निगम की बात करें तो बीते दो वर्षों में 135 कॉलोनियों को वैध किया गया है, जबकि 200 से अधिक एफआईआर कॉलोनाइजरों के खिलाफ दर्ज की गई हैं। जिला प्रशासन ने भी अलग से कार्रवाई की है। इसी के तहत कलेक्टर आशीष सिंह ने ग्रामीण इलाकों में बन रही अवैध कॉलोनियों की जांच शुरू करवाई है। अब तक लगभग 100 कॉलोनियों की सूची तैयार की जा चुकी है, जिन पर कार्रवाई के आदेश अपर बेल्ट, नजूल, प्राधिकरण और कलेक्टर गौरव बैनल द्वारा जारी किए गए हैं। इनमें से 46 कॉलोनियों पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है।

नगर निगम की रिपोर्ट इंदौर नगर निगम के कॉलोनी सेल द्वारा शासन के निर्देश पर 636 अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार की गई। लेकिन इनमें से लगभग 350 कॉलोनियां ऐसी हैं, जिन्हें किसी भी स्थिति में वैध नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे ग्रीन हाउसिंग बोर्ड की जमीन पर बसी हैं। नगर निगम ने वैध होने योग्य कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया पूरी की और अब तक 135 कॉलोनियों को वैध किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत नगर निगम ने लगभग 200 एफआईआर भी दर्ज करवाई हैं, क्योंकि नियमानुसार जब किसी कॉलोनी को वैध किया जाता है, तो उसके कॉलोनाइजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य होता है।

वैध-अवैध कॉलोनियों की संख्या लगभग समान इंदौर नगर निगम ने अब तक 950 कॉलोनियों को वैध घोषित किया है। वहीं, अवैध कॉलोनियों की संख्या भी लगभग 335 बताई जा रही है। नगरीय प्रशासन और आवास मंत्रालय ने प्रदेशभर में 8,000 अवैध कॉलोनियों को चिन्हित कर उनकी सूची ऑनलाइन जारी कर दी है।

अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन का सख्त रुख हाल ही में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने इंदौर समेत प्रदेश के अन्य निकायों को इस मामले में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने आदेश दिया कि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान वहां सूचना बोर्ड लगाए जाएं, जिससे आम नागरिकों को पता चले कि कॉलोनी अवैध है और वे ठगी का शिकार होने से बच सकें।

ग्वालियर और पुणे के लिए स्पेशल ट्रेनें शुरू वेटिंग लिस्ट में फंसे यात्रियों को बड़ी राहत

इंदौर। रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा में परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्वालियर-इंदौर-ग्वालियर स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में 13-13 फेरे लगाएगी। ग्वालियर-इंदौर स्पेशल ट्रेन (01825) तत्काल प्रभाव से 11 मार्च तक और 16 व 17 मार्च को ग्वालियर से दोपहर 1 बजे प्रस्थान कर रात 2 बजे इंदौर पहुंचेगी। वापसी में इंदौर-ग्वालियर स्पेशल ट्रेन (01826) 12 मार्च तक और 17 व 18 मार्च को इंदौर से शाम 7 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 10:15 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। गर्मियों की छुट्टियों को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनों की घोषणा शुरू कर दी है। रतलाम मंडल से होकर चार विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, जिनमें से एक इंदौर-पुणे स्पेशल ट्रेन भी है। यह ट्रेन 5 मार्च से 25 जून तक प्रत्येक बुधवार को इंदौर से रवाना होगी और अगले दिन पुणे पहुंचेगी। इंदौर-पुणे-इंदौर स्पेशल ट्रेन (09324) 5 मार्च से 25 जून तक प्रत्येक बुधवार सुबह 11:15 बजे इंदौर से रवाना होगी। यह ट्रेन देवास में 11:50 बजे, उज्जैन में 12:40 बजे, नागदा में 13:57 बजे और रतलाम में 14:35 बजे पहुंचेगी। ट्रेन अगले दिन गुरुवार को रात 3:10 बजे पुणे पहुंचेगी। वापसी में पुणे-इंदौर स्पेशल ट्रेन (09323) 6 मार्च से 26 जून तक प्रत्येक गुरुवार सुबह 5:10 बजे पुणे से रवाना होगी। यह ट्रेन रतलाम में 8:30 बजे, नागदा में 9:10 बजे, उज्जैन में 10:05 बजे, देवास में 11 बजे और अंत में 11:55 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

इंदौर-पुणे के बीच चल रही अन्य ट्रेनें वर्तमान में इंदौर-पुणे के बीच केवल दो नियमित ट्रेनें संचालित हो रही हैं। इस नई स्पेशल ट्रेन की बुकिंग भी शुरू हो गई है। इंदौर-पुणे के बीच इंदौर-दौंड एक्सप्रेस और लिंगमपल्ली हमसफर ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। इनमें लिंगमपल्ली एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को रवाना होती है, जबकि इंदौर-दौंड एक्सप्रेस का संचालन प्रतिदिन होता है। इन ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट हमेशा अधिक रहती है, जिसे कम करने के उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन शुरू की गई है। रेलवे द्वारा इन स्पेशल ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को वेटिंग लिस्ट की समस्या से राहत मिलेगी और उनकी यात्रा सुगम होगी।

दर्जनभर लोगों से धोखाधड़ी, नर्मदा परिक्रमा के नाम पर तीन लाख ठगे

इंदौर। इंदौर की कनाडिया पुलिस ने 12 लोगों से नर्मदा परिक्रमा के नाम पर होटल, टिकट व घूमने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपियों पर केस दर्ज किया है। पीड़ित गूगल पर एक वेबसाइट के माध्यम से आरोपियों के संपर्क में आए थे। इसके बाद उन्होंने ऑनलाइन रुपए जमा कर दिए। बाद में पता चला कि उनके नाम से कोई बुकिंग नहीं हुई है। कनाडिया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विवेक राजहंस, अंकित शर्मा,अभिषेक और नित्या नागर सहित करीब 12 लोगों के साथ 3 लाख 26 हजार की ठगी के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। 23 फरवरी को मामले में शिकायत की गई। जिसमें बताया गया कि ट्रैवल अरेंजमेंट कंपनी यात्रा सागा के मोबाइल नंबर 8449606954 द्वारा अलग-अलग अकांउट नंबरों में रुपए जमा कराए गए।

नर्मदा परिक्रमा यात्रा के नाम पर लेकर होटल, वाहन एवं अन्य बुकिंग कर पीड़ितों को वॉट्सऐप पर रसीद भेजी गई। उन्होंने जब होटल और ट्रेवल्स पर संपर्क किया तो उन्होंने ऐसी कोई भी बुकिंग होने से इनकार कर दिया। पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने सरोज पुत्र चन्द्र प्रकाश, निवासी अडोरी मथुरा, जिला विजयपुर उत्तर प्रदेश और राजेंद्र प्रसाद, निवासी अशोक नगर, सीपत रोड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के अकाउंट मे रुपए जमा कराए थे। इसके लिए उन्होंने वेबसाइट पर कंपनी का पता स्कीम नंबर 140 बताया। आरोपियों ने किश्तों में रुपए डलवाए और बताया कि 20 फरवरी को उन्हें पिक कर बताई गई जगह पर ड्राप किया जाएगा। हालांकि बाद में उक्त नंबरों पर कॉल उठाना बंद कर दिए गए। मौके पर जाकर देखा तो बिल्डिंग में इस नाम से कोई ऑफिस नहीं मिला। पुलिस ने अकाउंट नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज के बेटे की बारात इंदौर से जोधपुर रवाना

इंदौर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय की बारात राजस्थान पहुंचने से पहले देर रात देवास विधायक के आनंद भवन पैलेस पर रुकी। यहां विधायक गायत्री राजे पवार और उनके पुत्र विक्रम सिंह पवार ने समर्थकों के साथ पूरे राजसी ठाठ-बाट से बारात का स्वागत किया।आनंद भवन पैलेस में बारात का भव्य स्वागत किया गया। आतिशबाजी और फूल-मालाओं के साथ पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उनकी पत्नी साधना सिंह चौहान, उनके छोटे बेटे और छोटी बहू का भव्य स्वागत हुआ। शिवराज सिंह चौहान ने वहां मौजूद सभी कार्यकर्ताओं और अतिथियों से परिचय करवाया। इस दौरान कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। विधायक गायत्री राजे पवार ने देवास माता तुलजा भवानी और चामुंडा माता का चित्र शिवराज सिंह चौहान के परिवार को भेंट किया और बेटे को आशीर्वाद दिया।

इसके बाद बारात जामगोद पहुंची, जहां हाटपिपलिया विधायक मनोज चौधरी और उनके समर्थकों ने भी गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान भव्य आतिशबाजी की गई, जिससे माहौल पूरी तरह उत्सवी हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और विधायक मनोज चौधरी इस खुशी के पल को और खास बनाने के लिए नाचते हुए भी नजर आए। इस शाही स्वागत से बारातियों में खासा उत्साह दिखा और पूरे आयोजन को भव्य रूप दिया गया। यह आयोजन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और स्थानीय जनता भी इस कार्यक्रम को लेकर बेहद उत्साहित नजर आई।

इसके बाद बारात बसों से इंदौर पहुंची और मंगलवार को इंदौर एयरपोर्ट से जोधपुर के लिए रवाना हो गई। इंदौर में बारात का स्वागत करने के लिए कल बड़ी संख्या में भाजपा नेता और जनप्रतिनिधि पहुंचे। कार्तिकेय का विवाह जोधपुर में होना है, जिसके लिए पिछले तीन-चार दिनों से विवाह की रस्में उनके भोपाल स्थित निवास पर चल रही थीं। पिछले महीने उनके छोटे पुत्र का विवाह भोपाल में संपन्न हुआ था।

6 मार्च को शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान की शादी अमानत बंसल से उम्मेद भवन पैलेस में होने जा रही है। इस हाई-प्रोफाइल शादी की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंगलवार, 4 मार्च को शिवराज सिंह चौहान अपने परिवार के साथ जोधपुर पहुंच चुके हैं। बता दें कि अमानत बंसल चौहान परिवार की बड़ी बहू बनेंगी। अमानत बंसल ने लंदन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से साइकोलॉजी की पढ़ाई की है। कार्तिकेय और अमानत की सगाई 17 अक्टूबर को हुई थी।

जल रही झोपड़ी से मां को सुरक्षित निकाला बेटा खुद आग की लपटों से घिरा, मौत

इंदौर। इंदौर में एक दर्दनाक घटना में युवक की मौत हो गई। वह अपने माता-पिता के साथ झोपड़ी में रहता था। जब मां भीतर थी तो झोपड़ी में आग लग गई। यह देख युवक जल रही झोपड़ी के भीतर मां को बचाने के लिए घुस गया। उसने मां को तो सुरक्षित बाहर भेज दिया, लेकिन खुद संतुलन बिगड़ने से झोपड़ी में गिर पड़ा। इसके बाद उसकी मौत हो गई। आग की लपटों ने उसे घेर लिया तो वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया। मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई। परिवार मूलतः ललितपुर का रहने वाला है। काम के सिलसिले में तीन साल से परिवार इंदौर रह रहा था। घटना कनाड़िया क्षेत्र में सोमवार रात को हुई। 20 वर्षीय आशिक राजवंश घर के बाहर था। जिस झोपड़ी में परिवार रहता था, उसके समीप घास में आग लग गई। आग धीरे-धीरे झोपड़ी तक पहुंची। भीतर बैठी मां रूपा को पता नहीं चला। आशिक ने झोपड़ी जलते हुए देखी तो वह भीतर गया और मां रूपा को बाहर निकाला। इसके बाद वह सामान निकालने की कोशिश करने लगा। तब तक आग ने झोपड़ी के अगले हिस्से को चपटे में ले लिया। आशिक बाहर निकलने की कोशिश में गिर पड़ा। इसके बाद वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। उसका 80 प्रतिशत से ज्यादा शरीर झुलस गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

अंगदान की एक अनूठी मिसाल, 48 घंटे में आठ लोगों ने किया नेत्रदान

इंदौर। मुस्कान ग्रुप, इंदौर की यह पहल पर इंदौर में अंगदान की एक अनूठी मिसाल सामने आई है। पिछले 48 घंटे में आठ लोगों ने नेत्रदान किया, दो लोगों ने त्वचादान और एक व्यक्ति ने संपूर्ण देहदान किया। प्रमुख नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग श्रीवास्तव का बैडमिंटन खेलते समय हृदयाघात से निधन हो गया। उनके साथ कुशल सराफ, महेश राजदेव, ओमप्रकाश भाटिया, शंकर रिझवानी, मंजुला व्यास, हीरामणी जैन और सीमा जैन ने भी नेत्रदान किया। इस अंगदान कार्यक्रम में शंकरा आई बैंक, एमवाय आई बैंक और एमके इंटरनेशनल आई बैंक ने नेत्रदान सेवा में सहयोग किया। चोइथराम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में त्वचादान और एमजीएम मेडिकल कॉलेज में संपूर्ण देहदान की प्रक्रिया संपन्न हुई। तकनीकी सेवा जीतू बगानी, डॉ. श्वेता वालिया, अनिल गोरे, गोपाल सरोके और कुलदीप ठाकुर ने प्रदान की। समन्वय सेवा नरेश फुंदवानी, योगेश बगानी, नरेंद्र पाटीदार, तरुण रोचवानी और हेमंत छाबड़िया ने संभाली। मुस्कान ग्रुप, इंदौर की यह पहल जन चेतना का एक विनम्र प्रयास है।

किराए के फ्लैट से पकड़ाई ऑनलाइन सट्टा गैंग, 6 आरोपी दबोचे

इंदौर। इंदौर के संयोगितागंज थाना क्षेत्र में क्राइम ब्रांच ने एक बिल्डिंग में छापेमारी कर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे छह युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 29 मोबाइल, लैपटॉप और दो कंप्यूटर सीपीयू बरामद किए गए हैं। वे ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए लोगों को सट्टे में फंसा कर उनसे पैसा कमाते थे। देर रात सभी आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ की गई। क्राइम ब्रांच की टीम ने छावनी मैदान स्थित विकास तिवारी की बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर पर छापा मारा, जहां से हिमांशु (निवासी महावीर नगर), रविंद्र (उत्तर प्रदेश), विवेक (भरतपुर, राजस्थान), अमित कुमार और कृष्ण कुमार (मधुबनी, बिहार) कन्हैया (छपरा, बिहार) को गिरफ्तार किया है।

मुख्य आरोपी हिमांशु ने कुछ महीने पहले यह फ्लैट किराए पर लिया था और यहां से ऑनलाइन सट्टा एप का संचालन कर रहा था। आरोपी ह्यहब एपह्ल नामक वेबसाइट के जरिए लोगों से दांव लगवाते थे। वे ग्राहकों को आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराते थे और बदले में उनसे पैसे ट्रांसफर करवाते थे। पुलिस को इनके पास से हब वेबसाइट की आईडी भी मिली है, जो किसी अन्य राज्य से संचालित हो रही थी। आरोपियों ने कबूल किया कि वे लगभग एक साल से इस अवैध कारोबार को चला रहे थे।

क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस को पहले जानकारी नहीं दी गई थी। जब पुलिसकर्मी रात में गुप्त रूप से बिल्डिंग में दाखिल हुए, तो अंदर मौजूद युवकों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसे सुनकर एक स्थानीय निवासी ने संयोगितागंज थाने में अपहरण की सूचना दे दी। मौके पर पहुंचे बीट अधिकारी को जब सच्चाई पता चली, तब उन्होंने थाने को स्थिति की जानकारी दी। फिलहाल, आरोपियों के खिलाफ ऑनलाइन सट्टा एप संचालित करने के मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पार्षद कालरा जाति प्रमाणपत्र केस में 17 मार्च को सुनवाई

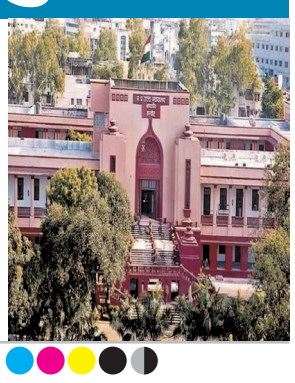

इंदौर। भाजपा पार्षद कमलेश कालरा के जाति प्रमाणपत्र के मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें छानबीन समिति की ओर से बताया गया कि उनके जाति संबंधी प्रमाणपत्र कलेक्टोरेट में नहीं मिले हैं। इस बीच समिति अध्यक्ष अजीत केसरी भी 28 को सेवानिवृत हो गए। अभी नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई है। इसके चलते कोर्ट ने 17 मार्च तक निर्णय लेने का अंतिम अवसर दिया है।

4 फरवरी को अजीत केसरी (प्रमुख सचिव पिछड़ा और अल्पसंख्यक विभाग), सौरभ कुमार सुमन (पिछड़ा और अल्पसंख्यक विभाग कमिश्नर, घनश्याम धनगर (एसडीएम जूनी इंदौर) ,वार्ड 65 के भाजपा पार्षद कमलेश कालरा सहित अन्य को हाई कोर्ट की अवमानना के मामले में 5 हजार रुपए का जमानती वारंट जारी किया गया था।

दो दिन बाद सभी ने कोर्ट से माफी मांगते हुए 1 हफ्ते में निर्णय लेने की गुहार लगाते हुए वारंट वापस लेने के लिए अर्जी लगाई थी। इस पर कोर्ट ने 17 फरवरी तक की मोहलत दी थी। 17 फरवरी को फिर कुछ दिन की मोहलत मांगी गई तो कोर्ट ने 3 मार्च को सुनवाई तय की।

सुनवाई में समिति की ओर से स्पष्ट किया गया कि कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त पत्र के मुताबिक कमलेश कालरा के जाति से संबंधित कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। समिति अध्यक्ष अजीत केसरी 28 को सेवानिवृत हो गए हैं, इसलिए निर्णय नहीं लिया जा सका। इसके लिए अंतिम अवसर प्रदान किया जाए। नए अध्यक्ष एक-दो दिनों में चार्ज ले लेंगे। इस पर कोर्ट ने अंतिम अवसर देते हुए अगली तारीख 17 मार्च रखी है।

दरअसल कांग्रेस प्रत्याशी रहे सुनील यादव की याचिका पर वारंट जारी हुआ था। कालरा पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र से पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित वार्ड से चुनाव लड़ने की शिकायत है। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट मनीष यादव और करण बैरागी ने तर्क रखे कि कोर्ट के आदेश के 6 माह बाद भी पार्षद कालरा के जाति प्रमाण पत्र की जांच में जानबूझकर विलंब किया जा रहा है। इसमें छानबीन समिति लंबे समय से जांच कर रही है लेकिन सारे तथ्य आ जाने के बाद भी निर्णय नहीं कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की बड़ी घोषणा

भोपाल के प्रमुख मार्गों पर सम्राट विक्रमादित्य-राजा भोज के नाम पर होंगे द्वार

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की है कि राजधानी के सभी प्रमुख मार्गों पर महान विभूतियों और वीर शासकों के नाम पर भव्य द्वार बनाए जाएंगे।

अतीत को मिलेगी नई पहचान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान उसके वीर योद्धाओं, महान शासकों और समाज सुधारकों से जुड़ी रही है। प्रदेश की इस गौरवशाली परंपरा को आम जनता तक पहुंचाने और युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। इससे नागरिकों को अपने इतिहास और महापुरुषों की उपलब्धियों की जानकारी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल और मध्यप्रदेश की पहचान हमारे अपने यहां के वीर शासकों से रही है। सम्राट विक्रमादित्य ने 2100 साल पहले चक्रवर्ती राजा की तरह शासन

किया। उनका सुशासन-न्याय-वीरता-ज्ञान-दानशीलता-धैर्य-पराक्रम-पुरुशार्थ जैसे कई गुणों से उनकी पहचान रही है। उनके एक हजार साल बाद राजा भोज भी अद्वितीय शासक रहे हैं। उनसे भोपाल की विशेष पहचान है।

ऐतिहासिक महत्व के द्वार भोपाल, जो पहले से ही ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध है, अब इन विशेष स्मारक द्वारों के माध्यम से अपनी संस्कृति और परंपरा को और अधिक मजबूती से प्रदर्शित करेगा। इन द्वारों का निर्माण शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और प्रवेश स्थलों पर किया जाएगा। हर द्वार का नाम किसी महान नेता, स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक या ऐतिहासिक शख्सियत के नाम पर रखा जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनके योगदान को जान सकें।

पर्यटन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा सरकार के इस फैसले से न केवल शहर की खूबसूरती बढ़ेगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। भोपाल आने वाले पर्यटक जब इन भव्य द्वारों को देखेंगे, तो उन्हें राज्य के गौरवशाली इतिहास की झलक मिलेगी। साथ ही, यह योजना प्रदेश के अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बनेगी। इस निर्णय से राजधानी के नागरिकों को अपने राज्य के ऐतिहासिक व्यक्तित्वों पर गर्व महसूस करने का अवसर मिलेगा। ये द्वार न केवल स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण होंगे, बल्कि वे राज्य की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक भी बनेंगे।

बीयू में पर्यावरण संरक्षण की पहल बनाई मप्र की पहली बीट्रेल

मधुमक्खियों के लिए अनुकूल वातावरण किया तैयार

भोपाल। बीयू में मध्य प्रदेश की पहली बीट्रेल स्थापित की है। बीयू के कुलगुरु ने कहा है कि यह बीट्रेल न केवल मधुमक्खियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाएंगी, बल्कि विद्यार्थियों को प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझने में भी मदद करेगी। विश्वविद्यालय में कृषि, जैव विविधता जैसे कई पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। धुमक्खियों को हम सभी शहद देने वाली मक्खियों के रूप में जानते हैं या उनके तीखे डंक के कारण उनसे डरते हैं,परंतु इसके अलावा भी पर्यावरण में उनका योगदान होता है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने मध्य प्रदेश की पहली बी-ट्रेल% स्थापित की है। इस अनूठी पहल का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने किया। यह बी ट्रेल न केवल मधुमक्खियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाएंगी, बल्कि विद्यार्थियों को प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझने में भी मदद करेगी। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में कृषि, जैव विविधता जैसे कई पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

जाने क्या होती है बी-ट्रेल बी-ट्रेल एक ऐसा रास्ता या क्षेत्र होता है, जहां मधुमक्खियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाता है। इसमें विभिन्न प्रकार के पौधे, फूल और छत्ते लगाए जाते हैं, जो मधुमक्खियों को आकर्षित करते हैं और उनके लिए एक सुरक्षित आवास प्रदान करते हैं। यह न केवल मधुमक्खियों के संरक्षण में मदद करता है, बल्कि पर्यावरण में परागण की प्रक्रिया को भी बढ़ावा देता है। मधुमक्खियों को अक्सर शहद उत्पादन और उनके डंक के लिए जाना जाता है, लेकिन इनका पर्यावरण में और भी बड़ा योगदान है। मधुमक्खियां पौधों में परागण करके वनस्पतिक जगत को फलने-फूलने में मदद करती हैं। हालांकि, बढ़ते प्रदूषण और कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग के कारण मधुमक्खियों का अस्तित्व खतरे में है, जिसका प्रभाव कृषि उत्पादन और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ रहा है।

होगा पर्यावरण संरक्षण बीयू के कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने कहा, यह बी ट्रेल न केवल मधुमक्खियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाएंगी, बल्कि विद्यार्थियों को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने में भी मदद करेगी। हमारा उद्देश्य है कि विद्यार्थी इसके माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझें और उनके संरक्षण में योगदान दें। यह पहल मध्य प्रदेश में अपनी तरह की पहली है और इससे न केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, बल्कि आम जनता को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने की उम्मीद है।

3 माह तक चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान, आंगनवाड़ी में पोषण भी और पढ़ाई भी कार्यक्रम होगा शुरू

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा हुई। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम फिर चलाने को स्वीकृति दी गई। इस बार अभियान 30 मार्च से 30 जून तक आयोजित होगा। इसमें प्रदेश के जल स्त्रोतों को लेकर विशेष कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान के जरिए सरकार जल की महत्ता लोगों तक पहुंच रही है। इसके अलावा जल बचाने के लिए भी जागरूकता अभियान इसी के तहत चलाया जाएगा। प्रदेश सरकार ने पिछले साल भी जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया था। इसके तहत कुएं, तालाब, बावड़ी, जलाशय का गहरीकरण किया गया। कैबिनेट बैठक से पहले भोपाल में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के सफल आयोजन पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को मंत्रीगण ने भगवान श्री राम की प्रतिमा भेंट कर उनका अभिवादन किया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मास्टर टीचर प्रशिक्षण बैठक में आगनवाड़ियों में पोषण मिशन 2.0 अभियान के तहत पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम को शुरू किया जाएगा। इसके तहत बच्चों की अधिक संख्या वाली आंगनवाड़ियों में पढ़ाई भी शुरू की जाएगी। इससे को बच्चों के समग्र विकास में मदद मिलेगी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका को और प्रभावी बनाया जाएगा। कैबिनेट ने पांढुर्ना जिले के वन विभाग के नए मंडल को मंजूरी दी है, जो क्षेत्रीय वन प्रशासन की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने में मदद करेगा। ऐसे में अब छिंदवाड़ा वन मंडल कार्यालय का पुर्नगठन किया जाएगा।

शासकीय विभाग प्लानिंग एरिया के बार भी कर सकेंगे काम नगर एवं ग्राम निवेश की धारा 66 में संशोधन को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इसके तहत अब शासकीय विभाग को प्लानिंग एरिया के बार भी निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके लिए निवेश के लिए शासकीय विभाग को एक प्लानिंग तैयार करनी होगी, जिसे राज्य शासन के पास लाकर अनुमति प्राप्त करनी होगी। यानी अब आईडीए जैसे बोर्ड सरकार से स्वीकृति लेकर बाहर भी काम कर सकेंगे।

राजस्व विभाग के दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन राजस्व विभाग के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इसमें किसानों की जमीन का सीमांकन पूरी तरह डिजिटल करने का फैसला लिया गया है। इसके लिए सरकार ने 138.41 करोड़ का प्रावधान किया है। खुली निविदा आमंत्रित की गई है, जिसके जरिए पूरे प्रदेश के किसानों की जमीन का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इस डिजिटल पहल से किसानों के भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी और उन्हें बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

महाकाल मंदिर के लिए होमगार्ड पदों की स्वीकृति उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में होमगार्ड स्वयंसेवी सैनिकों के 488 पदों को स्वीकृति दी गई है। इसके लिए सालाना 17 करोड़ रुपए का खर्च आएगा और एक साल के भीतर इस प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। यह कदम मंदिर परिसर की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया गया है।

वित्त आयोग के साथ बैठक 6 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में वित्त आयोग के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में राज्य के वित्तीय मामलों और विकास योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। इसमें मध्य प्रदेश का भी प्रजेंटशन दिया जाएगा। जिसमें सभी मंत्री उपस्थित रहेंगे।

प्रहलाद पटेल अपने भीख वाले बयान पर अडिग

जनता को भिखारी कहने पर एमपी में बवाल

कांग्रेस कर रही मंत्री के इस्तीफे की मांग

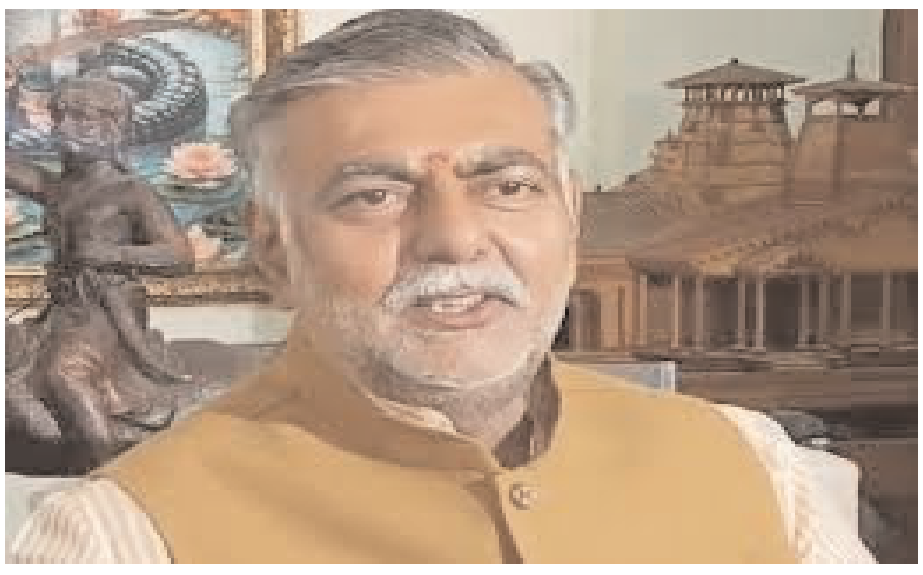

भोपाल। मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा बजट सत्र से ठीक पहले प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। पंचायत एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के बयान ने राज्य की सत्ता और विपक्ष के बीच एक नई बहस को जन्म दे दिया है। मंत्री पटेल द्वारा जनता को %भिखारी% कहे जाने पर कांग्रेस हमलावर हो गई है और 5 मार्च से प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने जा रही है।

सरकार के लिए संकट खड़ा कर रहे हैं मंत्री पटेल? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे संवेदनशील समय में इस प्रकार के बयान सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। बजट सत्र से पहले यह बयान विपक्ष को बैठे-बिठाए एक बड़ा मुद्दा थमा गया है। कांग्रेस इसे जनता के अपमान से जोड़कर भाजपा पर हमले तेज कर रही है।

पहले से ही हमलावर विपक्ष सवाल उठता है कि क्या मंत्री पटेल ने जानबूझकर ऐसा बयान दिया या यह उनकी राजनीतिक चूक थी? सरकार के लिए यह बयान उस समय परेशानी का सबब बन गया है, जब विपक्ष पहले से ही किसान, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर हमलावर है।

कांग्रेस का आक्रामक रुख मंत्री के इस बयान को लेकर कांग्रेस ने तीखा विरोध जताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा को अब जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि जनता सरकार से अपनी समस्याओं के समाधान की मांग करती है तो क्या वह भीख मांग रही है? कांग्रेस ने ऐलान किया है कि 5 मार्च को सभी 55 जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के इस्तीफे की मांग की जाएगी।

भाजपा के लिए मुश्किलें बढ़ीं भाजपा के लिए यह बयान एक बड़े राजनीतिक संकट का रूप ले सकता है। खासकर तब जब पार्टी आगामी चुनावों के मद्देनजर जनता के बीच अपनी छवि को सुधारने की कोशिश में लगी हुई है। विपक्ष इस बयान के जरिए सरकार को सड़क से लेकर सदन तक घेरने की तैयारी में है।

मंत्री ने सफाई में क्या कहा? मंत्री पटेल ने हालांकि अपने बयान को सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था, बल्कि वे समाज को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रहे थे, लेकिन उनकी इस सफाई से विवाद थमता नहीं दिख रहा है।

उमंग सिंघार को मंत्री गोविंद राजपूत ने भेजा 20 करोड़ का मानहानि का नोटिस

नेता प्रतिपक्ष बोले-डरेंगे नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश के परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर गंभीर आरोप लगाए थे। अब इस मामले में मंत्री गोविंद राजपूत ने नेता प्रतिपक्ष को मानहानि का नोटिस भेजा है। बता दें नेता प्रतिपक्ष ने गोविंद सिंह राजपूत पर परिवहन मंत्री रहने के दौरान भ्रष्टाचार करने और करीब 1500 करोड़ रुपए की जमीन खरीदने के आरोप लगाए थे। अब इस मामले में मंत्री गोविंद राजपूत ने उमंग सिंघार केपर उनकी छवि धूमिल करने का आरोप लगा कर जवाब देने 15 दिन का समय दिया है। वहीं, नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी प्रतिक्रिया दी है।

न डरें है न डरेंगे, नोटिस का जवाब देंगे वहीं, नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए उमंग सिंघार ने कहा कि नोटिस का जवाब भी देंगे और कोर्ट भी जाएंगे। न डरे हैं, न डरेंगे। बता दें नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने फरवरी माह में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर परिवहन विभाग के घोटाले को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे, उन्होंने कहा कि इस घोटाले से हर माह राजपूत को 150 करोड़ रुपए पहुंचे। उन्होंने दस्तावेज दिखाते हुए गोविंद राजपूत पर अपने परिचितों और रिश्तेदारों के नाम से भ्रष्टाचार के पैसों से जमीन खरीदने के आरोप लगाए थे। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि परिवहन विभाग के घोटाले में एक पूरा रैकेट काम कर रहा था। उन्होंने 1500 करोड़ रुपए का लेखा जोखा होने की बात कही थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि मंत्री ने परिवहन मंत्री रहते मध्य प्रदेश समेत के कई शहरों समेत दिल्ली के पॉश इलाके में बिल्डिंग में थर्ड फ्लोर और टैरिस अपने परिचितों के नाम से खरीदने का आरोप लगाया था।

आरटीओ आरक्षक सौरभ से जुड़ा है पूरा मामला मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के ठिकानों से करोड़ों रुपए की नगदी, सोना-चांदी और संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। शर्मा के करीबी के नाम पर रजिस्टर्ड एक कार में 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए नगद मिले थे। इस दौरान आरोप है कि सौरभ परिवहन विभाग की चौकियों से वसूली करता था, जिसको मंत्री गोविंद सिंह के इशारे पर किया जा रहा था। इस मामले में लोकायुक्त, ईडी से लेकर आयकर विभाग की टीमें जांच कर रही है। फिलहाल उनको कोई खास जानकारी नहीं मिलने की बात कहीं जा रही है। सौरभ शर्मा और उसके करीबी चेतन सिंह गौर और शरद जयसवाल फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

होली पर बस और टैक्सी का बढ़ा किराया, भोपाल से यूपी, बिहार और महाराष्ट्र जाने वाली ट्रेनें फुल

भोपाल। यदि आप होली पर यात्रा करने की सोच रहे हैं तो आपके विकल्प सीमित हैं। होली का त्योहार नजदीक आते ही ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ इस कदर बढ़ी है कि ट्रेनों ने रिजर्व टिकट देने तक से मना कर दिया है। नई दिल्ली, मुंबई और उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में टिकट उपलब्ध नहीं हैं। अभी तक रेलवे की ओर से सिर्फ रीवा के लिए ही होली स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है, जिससे यात्री जल्द से जल्द रिजर्वेशन कराने में जुट गए हैं। भोपाल और आसपास के शहरों से अंतरराज्यीय बसों के विकल्प सीमित हैं। ऐसे में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। टैक्सियां भी नहीं मिल रही हैं। बताया जा रहा है कि टैक्सी संचालकों ने भी किराया बढ़ाकर मांगना शुरू कर दिया है। इस पूरे हालात की पड़ताल करती रिपोर्ट। मुंबई, पटना, कानपुर, दिल्ली और गोरखपुर की ओर जाने वाली ट्रेनों में अभी से लंबी वेटिंग चल रही है। स्थिति यह है कि ज्यादातर ट्रेनों के स्लीपर कोच में रिग्रेट की स्थिति बन चुकी है। वहीं थर्ड एसी कोच में भी कुछ ट्रेनों में वेटिंग है, जबकि कई ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति बनी हुई हैं। ऐसे में यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में कठिनाई हो रही है और उन्हें तत्काल टिकट या अन्य विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। भोपाल से मुंबई जाने वाली पंजाब मेल में स्लीपर कोच में 22 वेटिंग आ रही है। पटना, गोरखपुर और कानपुर जाने वाली ट्रेनों की स्थिति ज्यादा खराब है। पुष्पक एक्सप्रेस, कुशीनगर एक्सप्रेस और एलटीटी गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में स्लीपर कोच में अभी से रिग्रेट आ गया है। वहीं थर्ड एसी में वेटिंग 30 से पार पहुंच गई है।

संपादकीय

सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों को प्रभावी ढंग से खर्च करना जरूरी

केंद्र सरकार की योजनाओं के लिए प्राप्त राशि या राज्य के लिए आवंटित विशेष फंड के इस्तेमाल में कुछ राज्य सरकारों के स्तर पर हो रही गड़बड़ी को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने नई व्यवस्था लागू की है। वित्त मंत्रालय ने एसएनए-स्पर्श (समयोजित प्रणाली एकीकृत शीघ्र हस्तांतरण) नाम से लागू इस नई व्यवस्था के तहत राज्यों के फंड प्रवाह पर अब ज्यादा सतर्क नजर केंद्र सरकार रख पा रही है। इस नई व्यवस्था मे केंद्र सरकार के विभागों की भूमिका भी ज्यादा प्रभावशाली है और उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी निभानी पड़ रही है। इस नई व्यवस्था से केंद्र राज्यों के वित्त प्रबंधन पर इस हिसाब से नजर रखी जा रही है कि कहीं किसी खास उद्देश्य से भेजे गये फंड का इस्तेमाल हुआ है या नहीं।भारत जैसे संघीय ढांचे और विकेंद्रीकृत व्यवस्था वाले विशाल देश में सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों को किफायती और प्रभावी ढंग से खर्च किया जाना जरूरी है। अगर किसी योजना के लिए आवंटित रकम खर्च नहीं होती है तो उसे दूसरे बेहतर उद्देश्यों में खर्च किया जा सकता है ताकि बेहतर आर्थिक परिणाम मिल सकें। केंद्र सरकार कई केंद्र प्रायोजित योजनाएं चलाती है, जिनके लिए धन विभिन्न खातों में भेजा जाता है और अकसर इस्तेमाल हुए बगैर पड़ा रहता है। लेकिन नया मॉडल आने के बाद स्थिति बदल गई क्योंकि इसमें एकीकृत नेटवर्क के जरिये ऐन वक्त पर केंद्र तथा राज्य सरकारों से इकट्ठा धन जारी किया जाता है। एक विश्लेषण के अनुसार इससे सरकारी खातों का काफी समेकन और कोषों का एकीकरण हुआ है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गत सप्ताह व्यय विभाग और लेखा महानियंत्रक से यह सुनिश्चित करने को कहा कि अगले वित्त वर्ष से सभी योजनाओं के लिए एकल नोडल एजेंसी 'स्पर्श' शुरू कर दी जाए।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि लेखा महानियंत्रक राज्यों को अन्य व्यवस्थाओं से इस मंच पर लाए और उन्हें इसके फायदों की जानकारी भी दे। अधिकांश केंद्रीय योजनाएं पहले ही इस प्लेटफॉर्म पर चल रही हैं और अनुमान है कि इसकी मदद से सरकार ने 2021-22 से अब तक 11,000 करोड़ रुपए से अधिक धन बचाया है। सरकारी व्यय को अधिक कारगर बनाने के कई प्रत्यक्ष लाभ हैं। इससे समय पर रकम मिलना सुनिश्चित होता है। भारत में केंद्र सरकार और सभी राज्यों की सरकारों को राजकोषीय घाटा होता है अपने खर्च के लिए दोनों ही बाजार उधारी का सहारा लेती हैं। रकम इस्तेमाल नहीं होने का मतलब है कि सरकार पैसे का उपयोग नहीं कर पाई मगर उस पर ब्याज चुकाएगी। इसलिए नकद प्रबंधन को बेहतर बनाने के उपाय अपनाना सही रहेगा।इस बार के बजट में केंद्र सरकार ने पहली बार एकल नोडल एजेंसी वाले खातों की संख्या का ब्योरा दिया था। इससे पता चला कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं के करीब 1 लाख करोड़ रुपए राज्यों के खाते में खर्च हुए बगैर पड़े हैं। इसमें से 45 फीसदी रकम तो प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, जल जीवन मिशन, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0, शहरी कायाकल्प मिशन-500 शहर, और स्वच्छ भारत मिशन-शहरी में ही खर्च होने से रह गई। उदाहरण के लिए जल जीवन मिशन के लिए 2024-25 में 70,162 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे मगर इसमें से आधी रकम भी खर्च नहीं जा सकी। 2025-26 में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए आवंटन चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमानों से 7.2 फीसदी ज्यादा है। एकल नोडल एजेंसी खातों का ब्योरा ही दिखाता है कि पारदर्शिता कैसे बढ़ सकती है। राज्य अकसर शिकायत करते हैं कि उन्हें पर्याप्त रकम नहीं भेजी जाती। मगर ब्योरा दिखाता है कि भेजी गई रकम भी अकसर खर्च नहीं हो पाती। हो सकता है कि राज्यों के पास आवंटित रकम खर्च नहीं हो पाने की वाजिब वजहें हों और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ये वजहें जानना जरूरी है। समूचे सरकारी व्यय कितना कारगर रहा इसकी पड़ताल करते समय इस बात पर बहस होनी चाहिए कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं की संख्या कम करने की जरूरत तो नहीं है। चूंकि राज्यों को भी संसाधन खर्च करने होते हैं, इसलिए संभव है कि उन्हें तंगी महसूस होती हो और वे धन को वहां पहले खर्च करना चाहते हों, जहां उनकी जनता को ज्यादा फायदा होता है। राज्य अकसर ठोस वजहों के साथ कहते हैं कि केंद्र से उन्हें बिना रुके रकम मिलती रहनी चाहिए क्योंकि इससे उन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से कार्यक्रम बनाने की छूट मिल जाती है। इस मामले में एकदम सटीक संतुलन बनाने की सिफारिश वित्त आयोग से आनी चाहिए।

देश में हर चार मिनट में होती है सड़क पर एक मौत

जीवन के सबसे बड़े सत्य का नाम मृत्यु है जिसे कोई नहीं रोक सकता। यह ऐसा सत्य है जिसकी कल्पना मात्र से मरने वाला ही नहीं बल्कि उसके प्रियजनों की भी रूह कांप जाती है। यह मृत्यु तब और अधिक भयंकर हो जाती है जब किसी की असामयिक मृत्यु हो जाए! राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2022 में कुल 7,00,688 दुर्घटनाएं रिपोर्ट की गईं, जिनमें 4,22,444 लोगों की मृत्यु हुई और 4,28,435 लोग घायल हुए। इनमें 46 प्रतिशत असामयिक मौतें यातायात हादसों में हुई हैं। हालांकि, भारत सरकार और राज्य सरकारों की ओर से इन हादसों पर नियंत्रण के लिए कई स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। सन् 2001 से पूरे जनवरी के महीने में सड़क सुरक्षा माह भी मनाया जा रहा है, लेकिन ये हादसे हैं कि घटने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं। जो इस गंभीर समस्या की ओर एक बार फिर से ध्यान आकर्षित करते हैं।

विश्व बैंक की 2021 में आई एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार भारत में दुनिया के एक प्रतिशत वाहन हैं लेकिन सड़कों पर वाहन दुर्घटनाओं के चलते विश्वभर में होने वाली मौतों में 11 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं। देश में हर घंटे 53 सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और हर चार मिनट में एक मौत होती है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में भारतीय सड़कों पर 13 लाख लोगों की मौतें हुई हैं और इनके अलावा 50 लाख लोग घायल हुए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं के चलते 5.96 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.14 प्रतिशत के बराबर नुकसान होता है। भारत में आकस्मिक मौतों में सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों का आंकड़ा 15 प्रतिशत से लेकर 20 प्रतिशत तक शुमार होता है, जो एक चिंता का विषय है

भारत के शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्घटनाओं का यह आंकड़ा न केवल वाहन चालकों के लिए बल्कि पैदल चलने वालों और साइकिल सवारों के लिए भी गंभीर खतरे का संकेत है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ता हुआ आंकड़ा विश्व स्तर पर चिंता का कारण बना हुआ है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के बावजूद, भारत में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या और इनसे होने वाली मौतों में कोई कमी नहीं आई है। वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े काफी डरावने थे। रिपोर्ट के अनुसार, 4,46,768 सड़क दुर्घटनाओं में 4,23,158 लोग घायल हुए और 1,71,100 लोग अपनी जान गंवा बैठे। इनमें से 45.5 प्रतिशत मृतक मोटरसाइकिल या दोपहिया सवार थे, जबकि 14.1 प्रतिशत कार सवार, 8.8 प्रतिशत ट्रक और लोरी सवार और 4.5 प्रतिशत तीन पहिया वाहन (ऑटो रिक्शा) सवार थे।

इससे यह स्पष्ट होता है कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा नुकसान दोपहिया वाहनों के सवारों को होता है, जो सबसे ज्यादा अनहोनी का शिकार होते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, यह संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की दर में लगभग 5 प्रतिशत तक वृद्धि हो रही है।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं के कई कारण हैं, जो सीधे तौर पर दुर्घटनाओं की संख्या और मौतों में वृद्धि का कारण बन रहे हैं। एनसीआरबी को राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाएं अत्यधिक गति, मोबाइल फोन का उपयोग, शराब और नशीली दवाओं का सेवन कर वाहन चलाने, गलत साइड या लेन पर वाहन चलाने, अनुशासनहीनता, लाल बत्ती पार करने, हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों का उपयोग न करने, वाहनों की स्थिति, मौसम की स्थिति, सड़क की स्थिति आदि जैसे अनेक कारणों से होती हैं।

मसलन लापरवाही दुर्घटनाओं के लिए सबसे बड़ा कारण है। कई चालक यातायात नियमों का पालन नहीं करते। जैसे कि गति सीमा को दरकिनार करना, हेलमेट या सीट बेल्ट का उपयोग न करना, सिग्नल जंप करना और शराब पीकर गाड़ी चलाना।

देश में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। खराब सड़क डिजाइन भी दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक ट्रैफिक और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। चालकों का अति-आत्मविश्वास, थकावट, और ध्यान की कमी से भी दुर्घटनाएं होती हैं।

धुंध, बारिश और अन्य मौसम संबंधी कारण भी सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार होते हैं। 62.6 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं अधिक गति से गाड़ी चलाने के कारण होती हैं, जिनमें 1,00,726 मौतें और 2,71,661 लोग घायल होते हैं। इसके बाद दूसरी बड़ी वजह है, लापरवाही से वाहन चलाना और ओवरटेक करना, जो 24.7 प्रतिशत दुर्घटनाओं का कारण बनता है और इसके परिणामस्वरूप 45,161 लोगों की मृत्यु और 1,00,901 लोग घायल होते हैं। इसके अलावा, 2.2 प्रतिशत दुर्घटनाएं खराब मौसम की स्थिति के कारण होती हैं, जैसे बारिश, धुंध या अन्य प्रतिकूल मौसम।

सड़क दुर्घटनाओं में असामयिक मौतों के परिणामस्वरूप न केवल व्यक्तियों का जीवन समाप्त हो जाता है, बल्कि यह समाज और देश की आर्थिक स्थिति पर भी गहरा असर डालता है। असामयिक ही व्यक्ति का जीवन उस उम्र में समाप्त हो जाता है, जब वह परिवार का मुख्य आर्थिक कर्ता होता है।

इस प्रकार की मौतें परिवारों के लिए अत्यधिक मानसिक और आर्थिक नुकसान का कारण बनती हैं। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और दुर्घटनाओं के कारण होने वाले नुकसान का मूल्य बहुत बड़ा होता है। यह सिर्फ मानव जीवन का नुकसान नहीं होता, बल्कि यह स्वास्थ्य देखभाल, उपचार और बचाव कार्यों पर होने वाले खर्चों में भी वृद्धि करता है। इसके अलावा, दुर्घटनाओं के कारण यातायात में होने वाली देरी, व्यापारिक नुकसान, और उत्पादकता में कमी जैसे आर्थिक नुकसानों का भी सामना करना पड़ता है।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से सड़क सुरक्षा माह का आयोजन शामिल है। इसका उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना और यातायात नियमों के पालन की आदत डालना है। सड़क सुरक्षा के उपायों में सख्त यातायात नियमों का पालन करना महत्वपूर्ण है।

सड़कों की गुणवत्ता में सुधार और बेहतर डिजाइनिंग से भी सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। नई तकनीकों जैसे जीपीएस ट्रैकिंग, ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम, और इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम के इस्तेमाल से दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

सड़क दुर्घटनाओं में असामयिक मौतों की समस्या अब एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक चुनौती बन चुकी है। बढ़ती दुर्घटनाएं और इनसे होने वाली मौतों ने सरकार, समाज और प्रत्येक नागरिक को सड़क सुरक्षा के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाने की आवश्यकता को स्पष्ट किया है। सड़क सुरक्षा माह एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके साथ ही हमें निरंतर जागरूकता फैलाने, यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने, और सड़क सुधार के प्रयासों को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। यह केवल सरकार का दायित्व नहीं है, बल्कि यह सभी नागरिकों का सामूहिक प्रयास होना चाहिए, ताकि हम सड़क दुर्घटनाओं में असामयिक मौतों की संख्या को कम कर सकें और एक सुरक्षित सड़क परिवहन प्रणाली का निर्माण कर सकें।

भाषा के मोर्चे पर फिर मुखर दक्षिण

तमिलनाडु ने एक बार फिर केंद्र के साथ भाषा-युद्ध छेड़ दिया है। वह तीसरी भाषा लागू करने, यानी त्रि-भाषा फॉर्मूले का विरोध कर रहा है। हालिया विवाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बयान से पैदा हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर राज्य नई शिक्षा नीति को लागू नहीं करेंगे, तो शिक्षा योजनाओं के लिए केंद्र से मिलने वाली धनराशि रोक दी जाएगी। तमिलनाडु इसे संविधान का अपमान और हिंदी थोपने का प्रयास बता रहा है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा प्रधानमंत्री को लिखे गए पत्रों के जवाब में शुरू हुआ वाक्-युद्ध अब केंद्र व राज्य के बीच पूर्ण टकराव का रूप लेता जा रहा है। इस विवाद में अब कर्नाटक भी शामिल हो गया है। उसने तमिलनाडु का समर्थन करने का वायदा किया है। कन्नड़ विकास प्राधिकरण ने तो त्रि-भाषा फॉमूर्ले को द्वि-भाषा नीति में बदलने की तैयारी भी शुरू कर दी है। कर्नाटक को लगता है कि केंद्र का भाषा संबंधी फरमान उसकी भाषायी अस्मिता पर सीधा हमला है।

केरल और दो तेलुगु राज्य- आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में स्थिति थोड़ी अलग है। ये दोनों प्रदेश तमिलनाडु के साथ सहानुभूति रखते हैं और अपनी-अपनी मातृभाषा के विकास का भी समर्थन करते हैं, लेकिन हिंदी थोपे जाने को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित नहीं दिखते। उनको भरोसा है कि उनकी संस्कृति की रक्षा होगी और मानते हैं कि अपनी अस्मिता पर होने वाले किसी भी तरह के हमले से वे बच सकते हैं।

यह पूरा मामला तब शुरू हुआ, जब स्टालिन ने 27 अगस्त को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर दखल देने की मांग की, क्योंकि सर्वशिक्षा अभियान के तहत राज्य को केंद्रीय फंड नहीं मिल रहा था। उन्होंने लिखा, शिक्षा को अनसुलझे नीतिगत मतभेदों का बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए। मगर यह मुद्दा तब गरम हो गया, जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने संकेत दिया कि फंड जारी करना नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से जुड़ा मसला है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिख संकीर्ण नजरिया छोड़ने की सलाह दी।

वाक्युद्ध जैसे ही तेज हुआ, स्टालिन ने एक्स पर लिखा कि किस तरह हिंदी सीखने को लेकर लोगों में बहुत सीमित आकर्षण है। उधर, केंद्र ने स्पष्ट किया कि हिंदी थोपने का उसका कोई इरादा नहीं है, तो तमिलनाडु ने भी साफ कर दिया कि वह हिंदी सीखने का नहीं, बल्कि इसे थोपे जाने का विरोध कर रहा है।

जाहिर है, दोनों पक्ष एक-दूसरे के उलट बोल रहे हैं। वास्तव में, नई शिक्षा नीति हर जगह हिंदी पढ़ाने पर जोर नहीं देती, बल्कि त्रि-भाषा फॉमूर्ले पर जोर देती है। इसमें कहा गया है कि तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषा होनी चाहिए। तमिलनाडु दो-भाषा फॉमूर्ले का पालन कर रहा है और इसे ही जारी रखना चाहता है। वह 1937 से हिंदी थोपे जाने का विरोध कर रहा है। हालांकि, 1967 में यह मसला शांत हो गया था, जब केंद्र ने हिंदी और अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करने पर सहमति जताई थी।

अभी तमिलनाडु के पास संदेह करने के कारण हैं, क्योंकि अप्रैल 2022 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसदीय भाषा समिति को संबोधित करते हुए कहा था कि अब समय आ गया है कि हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अंग्रेजी की जगह ले लेनी चाहिए। हालांकि, केंद्र तीन भाषा संबंधी नीति पर जोर देता है, लेकिन इसे देश में कहीं भी सही मायने में लागू नहीं किया जा सका है। उत्तर भारत में तो दक्षिण की किसी भी भाषा को सीखने पर जोर नहीं दिया गया है।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि भी मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कह रहे हैं कि उनकी सरकार जान-बूझकर छात्रों को हिंदी सीखने से रोक रही है। भाजपा-आरएसएस का मानना है कि अखंड भारत की उनकी योजना को साकार करने में हिंदी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह मुद्दा भाजपा और द्रमुक के बीच के वैचारिक अंतर से भी जुड़ा है, क्योंकि द्रमुक के लिए विविधता ही वह विशेषता है, जो भारत को जोड़ती है, जबकि भाजपा एकरूपता की बात करती है। दिलचस्प बात यह है कि पड़ोसी राज्य केरल में इस मुद्दे का कोई असर नहीं है, जबकि शिक्षा के मामले में उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि केरल के लोग दुनिया भर की यात्राएं करते हैं और वे नई-नई भाषाएं सीखने में माहिर हैं। फिर भी, मलयालम के प्रति उनका प्यार कम नहीं हुआ है। उसने तीन भाषा संबंधी फॉमूर्ला लागू कर रखा है, लेकिन वह भी हिंदी थोपे जाने का मुखर विरोधी है और इस मुद्दे पर तमिलनाडु के साथ है।

इसी तरह, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश ने भी त्रि-भाषा नीति लागू कर रखी है, जिसकी एक वजह तो निजाम शासन है, जिसमें उर्दू के साथ तेलुगु और हिंदी पर भी जोर था। यहां लोगों को मिश्रित भाषा बोलने में कोई दिक्कत नहीं है। संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन टी रामाराव ने भाषा का मुद्दा या तेलुगु गौरव का मसला उठाया था, लेकिन यह परवान नहीं चढ़ सका। दरअसल, पिछले साल चुनाव हारने वाले विभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने तेलुगु माध्यम के स्कूलों की जगह अंग्रेजी माध्यम के स्कूल बनवाए। इसका कई लोगों ने स्वागत किया, क्योंकि उन्हें रोजगार के अवसर दिखाई दिए।

कर्नाटक में भी कई स्थानीय भाषाएं बोली जाती हैं और उसने मुंबई, कोंकण, हैदराबाद जैसे पड़ोसी क्षेत्रों की भाषाओं को भी अपनार्या है। इससे भाषा को लेकर राज्य का नजरिया संतुलित बना है और त्रि-भाषा फॉमूर्ले के माध्यम से हिंदी को अपनाने में इसे कोई समस्या नहीं हुई है। मगर कर्नाटक भी अब यही कह रहा है कि त्रि-भाषा नीति देश में कहीं लागू नहीं है। चूंकि तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, तो भाषा का मुद्दा यहां तूल पकड़ सकता है। 2024 के चुनाव में बतौर गठबंधन सदस्य भाजपा का मत-प्रतिशत बढ़ा था, लेकिन वह एक भी सीट जीत नहीं सकी थी। मगर अब केंद्रीय गृह मंत्री ने यहां एनडीए सरकार बनने की उम्मीद जताई है। क्या इसमें यह मुद्दा फायदेमंद हो सकता है? हिंदी-विरोध का लाभ स्टालिन और द्रमुक को मिल सकता है, लेकिन भाजपा मानती है कि इस मुद्दे पर द्रमुक से उलझकर वह अन्नाद्रमुक और अभिनेता विजय की टीवीके को सुर्खियों से बाहर रख सकती है, जिसका उसे फायदा हो सकता है। यही कारण है कि आने वाले दिनों में केंद्र और राज्य के बीच जुबानी जंग तेज हो सकती है।

अविश्वास प्रस्ताव कि कार्यवाही से अमोली सरपंच पद से हुए पृथक

लकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ। लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अमोली में 4 मार्च दिन मंगलवार को पंचायत भवन में अविश्वास प्रस्ताव कि कार्यवाही सम्पन्न करवाई गई,जिसमें अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 20 मत पड़े तथा सरपंच किशोर पडवार के पक्ष में 0 (शुन्य)मत पड़े वहीं अविश्वास प्रस्ताव कि कार्यवाही के समय सरपंच अनुपस्थित रहे इन? सब कार्यवाही में कन्हैयालाल टेकाम तहसीलदार लालबर्रा,खिलेन्द्र सोनवंशी खंड पंचायत अधिकारी जनपद पंचायत लालबर्रा,पीसीओ रामसहाय हल्दकार,राजेश मेश्राम पंचायत सचिव,राजेश पंचेश्वर रोजगार सहायक द्वारा उपसरपंच अफसर कुरैशी व सभी उपस्थित पंचों के समक्ष विधिवत रूप से कार्यवाही करवाई गई है। तथा कार्यवाही के समय पंचायत के आस-पास ग्रामीणों का जमावड़ा भी नजर आया सभी लोगों में काफी उत्सुकता थी कि कौन सी कार्यवाही होती है साथ हि पुरी कार्यवाही होते तक पंचायत के दरवाजे पर तालाबंदी कर दि गई थी।

वहीं हम आपको अवगत करा देवें कि सरपंच पर अविश्वास प्रस्ताव को लेकर ग्राम पंचायत अमोली के 20 पंचों में से 19 पंचों द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी को 19 फरवरी 2025 को हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंप अविश्वास जताया व अविश्वास लाने के कारणों में नियम विरुद्ध ग्राम पंचायत अमोली सरपंच किशोर पडवार द्वारा 16,000 (सोलह हजार रुपए) पंचायत के खाते में जमा न करके अपने पास रखना,स्वयं सरपंच रहने के बाद भी पंचायत करना,पंचायत के कार्य में संलग्न मेटों को धमकाने का प्रयास करना,पंचायत के कार्यों में रुचि न लेकर मस्टरोल में समय में हस्ताक्षर न करना,मवेशी रवानगी कट्टा बजार से क्रय करके उसकी राशि पंचायत के खाते में जमा करके स्वयं के उपयोग में लेना,पंचों को गाली-गलौच कर जातिगत रुप से फंसाने और धमकाने का आरोप लगाते हुए यह भी बताया गया कि पुर्व में सरपंच के विरुद्ध लालबर्रा थाने में पंच,उपसरपंच व पंचायत के कर्मचारियों व ग्रामीणों ने शिकायत कि थी जिस पर थाने में ही सरपंच किशोर पडवार द्वारा लिखित माफीनामा दिया था परन्तु उसके बाद भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया।

इनका कहना है

आज यहां पर सर्वप्रथम सभी पंचों की उपस्थिति ली गई 20 में से 20 पंच उपस्थित पाए गए सरपंच अनुपस्थित रहे 20 पंच की उपस्थिति के बाद अविश्वास प्रस्ताव पर कार्यवाही प्रारंभ की गई,उनकी उपस्थिति के बाद मतदान की कार्यवाही प्रारंभ की गई मतदान की प्रक्रिया समझाएं और मत पत्र एक-एक सदस्यों को दिए गए मतदान कराया गया और मतदान के उपरांत गणना की गई और गणना उपरांत सदस्यों को भी बताया गया परिणाम यह आया कि 20 के 20 सदस्य के अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किये और अविश्वास प्रस्ताव पारित हुआ आगामी समय में इस कार्यवाही को कलेक्टर साहब और एसडीएम साहब को दे देंगे तथा जो भी इस केटेगरी के सदस्य हैं उनको कार्यवाहक सरपंच बना देंगे जैसे अविश्वास प्रस्ताव पारित होता है धारा 31 के तहत सरपंच अपने पद पर नहीं रह सकते हैं।

खिलेन्द्र सोनवंशी
खंड पंचायत अधिकारी जनपद पंचायत लालबर्रा आज हम लोग 20 पंच उपस्थित थे सरपंच साहब को भी उपस्थित होना था उनकी अनुपस्थिति में तहसीलदार महोदय द्वारा अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही कि गई जिसमें 20-0 के तहत वोट पड़े जनता की मांग थी हमको यहां की व्यवस्था सुधारना था लगातार इन्होंने लापरवाही बरती,जनता के कोई काम नहीं हो रहे थे जो काम चलते थे उसको ये खराब करने की कोशिश करते थे

अफसर कुरैशी
उपसरपंच अमोली (लाल.)

महिला के साथ रेप कर उसकी हत्या करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी की स्लीमनाबाद थाने की पुलिस ने ग्राम लिंगरी में महिला के साथ रेप कर उसकी हत्या करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है मुख्य आरोपी ने महिला से पहले जबरन शारिरिक संबंध बनाए और उसकी बदनामी न हो जाए तो अपने साथी के साथ मिलकर महिला की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी..ओर मृतिका का मोबाइल लेकर फरार हो गए.

कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने बताया की एक मार्च को थाना स्लीमनाबाद मे सूचना प्राप्त हुई थी..की ग्राम लिगरी डुगरियाहार बलवीर सिंह के खेत मे बने मकान की परछी मे महिला का शव पड़ा हुआ मिला है.

जिसके सिर में गहरे घाव मिले दिख रहे है जिसकी सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी..जांच में पुलिस को दो व्यक्तियों पर संदेह हुआ और दोनों संदेहियों हिमांशु सिंह ठाकुर...ओर चिंपू भूमिया से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि हिमांशु ठाकुर ने मृतिका के साथ पहले रेप किया था..हिमांशु को डर था कि पीड़िता ये बात किसी को बता न दे जिसके डर से हिमांशु ने उसकी कुल्हाड़ी से हत्या कर दी ओर कुल्हाड़ी को चिप्पू भुमिया की खेत में बनी मढिया में रख दी ओर चिप्पू भुमिया ने हिमांशु को फरार करवा दिया...पुलिस ने हिमांशु सिंह ठाकुर को रेप और हत्या का मुख्य आरोपी ओर चिप्पू भुमिया को सह आरोपी बनाकर न्यायालय में पेश किया गया है.

पैसों के विवाद में किन्नरों के दो गुट में लड़ाई, एक पर चाकू से हमला

कोतवाली थाने के बाहर एक दूसरे के गुटों की भारी भीड़

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सिविल लाइन इनके में किन्नरों के दो गुट असली ओर नकली और रुपयों के लेन-देन के चलते आपस में भीड़ गए और दोनों गुटों के बीच जमकर लाठी डंडे और धारदार हथियार भी चले इस घटना में दोनों ही गुटों कई किन्नरों को चोटें आई है जिसमें से तीन किन्नरों को गंभीर चोटें आई है, जिनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है वही दोनों ही गुट के लोग कोतवाली थाने में भी एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए हंगामा किया और जबरन थाने के अंदर घुसने की कोशिश की वही थाने में मौजूद पुलिस कर्मियों ने हंगामा कर रहे सभी किन्नरों को समझा बुझा शांत कराया।

किन्नरों के दोनों गुटों के बीच हुआ झगड़ा इतना बढ़ा कि एक गुट के लोगों ने दूसरे गुट के एक किन्नर पर धारदार हथियार से भी हमला किया। इस झगड़े में दूसरे गुट के दो किन्नरों के सर पर भी गंभीर चोटे आई है। जिनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है वही किन्नरों के दोनों गुट के लोग जिला अस्पताल पहुंच गए और वहां से सीधे कोतवाली थाना पहुंच थाने परिसर में भी जमकर हंगामा किया। इन दोनों गुटों में असली नकली और रुपयों के लेन-देन के चलते यह झगड़ा हुआ है। किन्नर के दूसरे गुट के किन्नर भी कोतवाली थाने पहुंच गए और थाने में भी जमकर हंगामा करते हुए जबरन थाने में घुसने की कोशिश की वही दोनों पक्षों में कहासुनी भी हुई। वही कोतवाली पुलिस बल ने दोनों पक्ष की थाने में बयान दर्ज करा रही है और दोनों गुटों का शांत कराया है। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र सिविल लाइन में किन्नरों के दो पक्ष आपस में भीड़ गए है इस झगड़े में दोनों की पक्ष में लाठी डंडे और धारदार हथियार से एक दूसरे पर हमला किया है इस हमले में दोनो की पक्ष के किन्नर घायल हुए है जिनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है वही दोनों पक्ष के किन्नरों को शांत करा दोनों की पक्षों का बयान दर्ज कराया जा रहा है।

पनियाली में सालाना समागम के तीसरे दिन सजा कीर्तन दरबार

संगत ने की निशान साहिब के चोले की सेवा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद (सहारनपुर), पनियाली कासिमपुर स्थित गुरुद्वारा श्री हरगोबिंद साहिब में बाबा अकाल पुरख सिंह जी की 55 वीं बरसी पर चल रहे वार्षिक समागम में तीसरे दिन कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा साहिब की पुरानी इमारत में चल रहे श्री अखंड पाठ साहिब की समाप्ति के बाद कीर्तन दरबार आयोजित किया गया। जिसमें भाई महताब सिंह जालंधर वाले, बाबा अजीत सिंह नानकसर, दिनेश सिंह (लखनऊ), गुरविंदर सिंह पंछी (जगाधरी), जरनैल सिंह महक (देहरादून), मनिंदर सिंह (देहरादून) ने गुरवाणी गायन कर संगत को निहाल किया। सेवादार बाबा रणजीत सिंह ने कहा कि छठे पातशाह साहिब श्री गुरू हरगोबिंद सन् 1680 फाल्गुन मास में नानकमत्ता जाते हुए इस स्थान पर ठहरे थे। बाबा अकाल पुरख सिंह जी ने इस स्थान पर इमारत बनवाकर सेवा संभाल की। उनके देहांत के बाद प्रतिवर्ष उनकी बरसी पर गुरुद्वारा साहिब में विशेष समागम आयोजित किए जाते है। कीर्तन व अरदास उपरांत गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। निशान साहिब के चोले की सेवा भी की गई। इस दौरान पुलिस- प्रशासन मुस्तैद रहा। कार्यक्रम में रविंद्र सिंह, हरजीत सिंह, कंवरपाल सिंह, अजब सिंह, योगेश दहिया, मनजोत सिंह, अमरदीप सिंह, जरनैल सिंह, राजपाल सिंह, काबल तोड़ सिंह, रविपाल सिंह, पवित्र सिंह प्रधान, गुरदीप सिंह, खुशप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे।

जबलपुर लोकयुक्त ने की कार्रवाई

शासकीय आईटीआई कटनी के बाबू संदीप बर्मन 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के रोशन नगर स्थित शासकीय आई टी आई के बाबू संदीप बर्मन को 5 हज़ार रुपए की रिश्वत लेते जबलपुर लोकयुक्त की टीम ने रंगेहाथ अरेस्ट किया है, आरोपी शासकीय आई टी आई में सहायक ग्रेट 3 के पद पर पदस्थ है जिसने शासकीय आई टी आई में ही पदस्थ प्रशिक्षण अधिकारी से एरियर की राशि निकलवाने के एवज में 5 हज़ार रुपए रिश्वत के रूम में मांग की थी।

जबलपुर लोकयुक्त की डीएसपी नीतू त्रिपाठी ने बताया कि कटनी के रोशन नगर स्थित शासकीय आई टी आई में प्रशिक्षण अधिकारी के पद पर पदस्थ आनंद चौधरी ने जबलपुर आ कर लोकयुक्त विभाग में शिकायत की थी कि जिसकी संस्था में परिवीक्षा अवधि समाप्त होने के उपरांत 10 वर्षों की वेतन वृध्दि के एरियर राशि 8 लाख 50 हजार के बिल तैयार करने एवं भुगतान करवाने के एवज में 6 हज़ार रुपए रिश्वत की मांग आईटीआई कटनी के बाबू संदीप बर्मन द्वारा की जा रही है, वही मोल भाव करने पर 5 हजार रुपए में सौदा पक्का हुआ। प्राथी आनंद चौधरी की शिकायत के सत्यापन के बाद जबलपुर लोकयुक्त की 8 सदस्यीय टीम ने रोशन नगर स्थित शासकीय आई.टी.आई. से संदीप बर्मन, सहायक ग्रेड-3 को 5 हज़ार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ अरेस्ट कर आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है।

सभी स्कूलों को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता बढ़ाने के निर्देश - डीएम मनीष बंसल

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना में 259 छात्र हुए सफल, जनपद के कई स्कूल हुए सफल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना 2025-26 के लिए घोषित 259 चयनित अभ्यर्थियों की सूची निर्गत होने के बाद बेसिक शिक्षा परिषद के परिषदीय जू0हा0 स्कूल, अशासकीय जू0हा0स्कूल के अध्यापको एवं अध्यापिकाओं को आज जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कु0 कोमल द्वारा प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। 10 नवंबर 2024 को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की परीक्षा सम्पादित हुई जिसमें 2218 बच्चों ने प्रतिभाग किया था। 28 फरवरी 2025 को परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। सहारनपुर का लक्ष्य 264 का था 259 सफल घोषित हुए। जनपद में 30 बच्चों का चयन उ0प्रा0वि0टिकरौल के बच्चों का चयन होने पर हकीमुद्दीन प्रधानाध्यपक एवं सोमलता, जावला, सिन्धु, सारिका, कविता रानी, सहायक अध्यापिकाओं का प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान सर्वाधिक बच्चों का चयन होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा शॉल और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया और जनपद स्तर से आये सभी अध्यापको, अध्यापिकाओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें परशुराम माध्यमिक शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त होने के बाद भी इस योजना में कार्य कर रहे है उनको भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उ0प्रा0वि0 टिकरौल हकीमुद्दीन के विद्यालय से 30 बच्चों का चयन हुआ। उ0प्रा0वि0 मण्डौरा रविन्द्र कुमार के विद्यालय से 12 बच्चों का चयन हुआ। आदर्श जू0हा0 स्कूल रणदेवी की शेखर पंवार के 9 बच्चों का चयन हुआ। उ0प्रा0वि0 सबदलपुर श्रीमती स्मृति चौधरी के विद्यालय से 8 बच्चों का चयन हुआ। गुरु नानक कन्या इंटर कॉलेज नानौता से 7 बच्चों का चयन हुआ। उ0प्र0वि0 दलहेकी से 7 बच्चों का चयन हुआ। क्क सकलापुरी से 6 बच्चों का चयन हुआ। सभी उ0प्र0 विद्यालयों से 4 और 5 चयन 3,2,1 चयन वाले सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

माधव नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत धपई में संचालित आटा मिल में कार्य के दौरान गिरने से महिला श्रमिक की मौत

परिजनों ने लगाया मिल संचालक पर धक्का मार कर गिराने का आरोप

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के माधवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत धपई गांव में एक महिला श्रमिक की लिफ्ट में फंसने से मौत हो गई मृतक महिला के परिजनों ने आरोप लगाते हुए बताया कि महिला की मौत मिल संचालक की लापरवाही के चलते हुई है। माधवनगर थाना क्षेत्र माधवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत धपई गांव स्थित चेतुमल नीचूमल आटा मिल में मृतका पूजा बाई केवट के पास काम करने वाले मजदूर अंकित साहू ने बताया कि पूजा केवट जैसे ही लिफ्ट में चढ़ी ओर लिफ्ट ऊपर जा ही रही थी तभी उसका सर लिफ्ट में टकरा और वाह लिफ्ट में फस गई और लिफ्ट ऊपर की ओर चली गई इस घटना के तुरंत बात साथी मजदूर ने मिल के सभी मजदूरों को मौके पर बुलवाया और लिफ्ट से नीचे उतरवाया और उसे तुरंत ही जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां के डॉक्टरों ने पूजा को मृत घोषित कर दिया। वही मौके पर पहुंची माधवनगर थाने की पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया और बताया कि इस पूरे घटना की जांच की जा रही है और साथी मजदूरों से पूछताछ और पीएम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कह पाना संभव होगा।

डीएम - एसएसपी ने किया उप कारागार देवबंद का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को भी परखा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल एवं एसएसपी सहारनपुर रोहित सिंह सजवाण ने उप कारागार देवबंद का निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को भी परखा। बंदियों से संवाद कर उनका हाल-चाल लेते हुए जेल प्रशासन द्वारा प्रदत्त कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बंदियों से कहा कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की विधिक या कानूनी सहायता की आवश्यकता हो तो वह इसके लिए बिना किसी संकोच के बता सकते हैं। शासन द्वारा आपको नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान उनके द्वारा चिकित्सालय, मैस और बैरक का भी निरीक्षण किया गया। जिला जेल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जेल परिसर में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु अंदर नहीं आनी चाहिए। साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। यद्यपि जिला जेल में सदैव ही बेहतर साफ-सफाई रही है।

कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा सवारी आटो में बड़ी मात्रा में स्मलिंग की जा रही अवैध शराब जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी के निर्देशन में सोमवार की रात्रि कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा सवारी आटो में स्मलिंग की जा रही बड़ी मात्रा में अवैध शराब जप्त कर दो आरोपियो को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मंसूरी जी एवं एस.डी.ओ.पी. अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा जी के मार्गदर्शन में टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन, सहायक उपनिरीक्षक संतोष वर्मा, प्रधान आरक्षक राजेश कंवर , रीतेश सिहं एवं आरक्षक संजय सिहं के द्वारा अनूपपुर से चचाई रोड पर ग्राम परसवार के पास सवारी आटो क्रमांक एम.पी. 65 आर 0176 को पकड़ा जाकर आटो में मौजूद प्रकाश शिवहरे एवं जितेन्द्र गोस्वामी दोनो निवासी अनूपपुर के कब्जे से कुल 56.4 लीटर अवैध शराब कीमती कुल 62000 रूपये जिसमें गोवा व्हीस्की शराब के 100 क्वार्टर, देशी मदिरा प्लेन शराब के 150 क्वार्टर, किंगफिशर स्ट्रांग बियर के 12 बाटल, रायल स्टेग व्हीस्की के 20 क्वार्टर सवारी आटो के साथ जप्त की जाकर आरोपियो के विरूद्ध अपराध क्रमांक 90/25 धारा 34(2) म.प्र. आबकारी अधिनियम पंजीबद्ध किया जाकर आरोपी प्रकाश शिवहरे पिता गिरधारी लाल शिवहरे उम्र 25 साल निवासी वार्ड न. 04 अनूपपुर एवं सवारी आटो वाहन स्वामी जितेन्द्र गोस्वामी पिता सीताराम गोस्वामी उम्र 30 साल निवासी वार्ड न. 12 अनूपपुर को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा अवैध शराब की स्मलिंग करते हुए रंगे हाथो गिरफ्तार आरोपी प्रकाश शिवहरे निवासी वार्ड न. 04 अनूपपुर आदतन अपराधी है, जिसके विरूद्ध पूर्व में भी अवैध शराब के कई प्रकरण दर्ज है।

जिलाधिकारी ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया उद्घाटन

50 लाभार्थियों को कान की मशीन की वितरित

मेडिकल बोर्ड में सभी डॉक्टर 10 से 2 बजे तक बनाएं सर्टिफिकेट – डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय में विश्व श्रवण दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम डब्लू0एच0ओ0 द्वारा Changing mind-sets: Empower yourself to make ear and hearing care a reality for all! निर्धारित की गयी है। इस अवसर पर एस0बी0डी0 जिला चिकित्सालय परिसर में नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा फीता काटकर किया गया। एस0बी0डी0 जिला चिकित्सालय के सभागार में जिलाधिकारी द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राप्त कराई गयी सूची के अनुसार 50 लाभार्थियों को बहरेपन व श्रवण हानि के रोगियों को कान की मशीन (Hearing Aid) का वितरण किया गया । डीएम मनीष बंसल द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र हेतु गठित मेडिकल बोर्ड का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि जितने दिव्यांग जन आते हैं उन सभी का रजिस्ट्रेशन कराया जाय। मेडिकल बोर्ड में सभी डॉक्टर समय से 10 से 2 बजे तक सर्टिफिकेट बनाएं। रिजेक्टेड पर्सन का कारण और परसेंट लिख कर रिजेक्ट की स्टांप लगाकर उसको दिया जाय तथा साफ राइटिंग में लिखा जाय। शिविर में डा0 अनिल वोहरा वरिष्ठ फिजिशियन, डा0 अमित गुप्ता व डा0 अनुज कुमार ई0एन0टी0 सर्जन के द्वारा रोगियों की कान एवं कान से सम्बन्धित रोगो की जाँच की गयी।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रवीण कुमार द्वारा सभी बहरेपन व श्रवण हानि रोगियों को जानकारी देते हुये सभी को बताया गया कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते है, लाइफस्टाइल की समस्या और हमारी कुछ गडबड आदतों के कारण कानों की सेहत भी प्रभावित हो रही है। ध्वनि प्रदूषण और इयरफोन्स का लगातार उपयोग हमारी सुनने की क्षमती के लिये दो खतरे है। अगर किसी भी व्यक्ति या बच्चे का कान बहता है तो कान में पानी न जाने दें और किसी प्रकार का तरल पदार्थ न डालें। मवाद को साफ और नरम कपडे से साफ करें। मवाद में बदबू होना या खून आना गंभीर रोग के लक्षण हो सकते है। कान से सम्बन्धी कोई भी परेशानी आने पर तत्काल जिला चिकित्सालय के कमरा नं0-7 में अपनी जॉच कराये।

जिला नोडल अधिकारी एन0सी0डी0 श्रीमती शिवांका गौड द्वारा जानकारी दी गयी कि सुनने की क्षमता में कमी को रोकने के लिए, कान की देखभाल करना जरूरी है, इसके लिये तेज आवाजों से बचे, कान की सुफाई नियमित करें, नियमित रूप से हियरिंग चेकअप कराये, संतुलित आहार ले, दवाओं के प्रति सचेत रहे एवं कान में दर्द या सुनने में कमी के लक्षण दिखने पर डॉक्टर से मिले। इस अवसर पर प्रमुख अधीक्षक, एस0बी0डी0 डा0 रामानन्द, जिला दिव्यागंजन सशक्तिकरण अधिकारी श्रीमती दीपिका परिहार, लोहित भारती, मुद्दसीर, बुशरा अंसारी, श्रीमती कविता, अंकुर, देवेन्द्र कुमार, श्रीमती अंशिका, सुश्री सल्तनत, श्रीमती शिखा, सूर्य प्रताप, दिपांश एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

सुनने की समस्या को कैसे रोके- वॉल्यूम कम करें, हेडफोन याईयरबड्स के जरिए संगीत सुनते समय, वॉल्यूम का स्तर इतना कम रखे कि आप अपने आस-पास लोगों की बाते सुन सके। एक और अच्छा नियम यह है कि दिन में 90 मिनट से ज्यादा समय तक वॉल्यूम का स्तर 80 प्रतिशत से ज्यादा न रखें। अपने कान की नली में कुछ भी न डालें, जैसे कि रूई के फोहे या हेयरपिन।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रायपुर महानगर उत्तर भाग की इकाई ने की अभिनव पहल

12 वीं के विद्यार्थियों को तिलक लगाकर बढ़ाया हौसला और दी सफलता की शुभकामनाएं

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों का एक संगठन है, जो छात्रों के हितों के लिए काम करता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा छात्र संगठन बन चुका है। जिसके सक्रिय सदस्यों की संख्या 55 लाख को पार कर चुकी है। विद्यार्थी परिषद एक ऐसा मंच है जिसमें छात्रों को नेतृत्व कौशल विकसित करने और अपने विचारों, चिंताओं, और रुचियों को साझा करने का अवसर मिलता है ।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रायपुर महानगर उत्तर भाग की इकाई ने हाल ही में एक अभिनव पहल की है ।12 वीं की परीक्षा के लिये उसके कार्यकर्ता विद्यार्थियों को तिलक लगाकर बढ़ाया हौसला बढ़ा रहे हैं और सफलता की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

आत्मानंद स्कूल मोवा में विद्यार्थी परिषद रायपुर महानगर उत्तर भाग की इकाई के सदस्यों ने 10 वीं व 12 वीं के विद्यार्थियों को विगत दिवस परीक्षा से पहले तिलक लगाकर हौसला बढ़ाने व उनके उत्साहवर्धन के लिये सफलता की शुभकामनाएं दीं।

यह आयोजन नगर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों वाले विद्यालयों में आयोजित किया गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के उत्तर भाग के सह मंत्री संकल्प राजकमल ,नगर सह मंत्री जैश सिद्दीकी ,होलीक्रॉस कापा के विद्यालय प्रमुख तालिश ख्वाजा ,कंबर अली, जयेश अन्दानी संग अन्य कार्यकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ बोर्ड ऑफ़ सेकेंड्री एजुकेशन की

12 की बोर्ड परीक्षा की शुरुआत में छात्रों को तिलक वंदन कर और छात्रो का मनोबल बढ़ाया और शुभकामनाएं दी।कुछ छात्रों की आवश्यकता पर उन्होंने छात्रों को पीने के पानी की बोतल भी प्रदान की।

विद्यार्थी परिषद के उत्तर भाग के सह मंत्री संकल्प राजकमल रायपुर में इस आयोजन के मुख्य संयोजक थे। विद्यार्थी परिषद का नारा है – ज्ञान, शील और एकता । और छात्रों ने इनकी इस पहल को बहुत सराहा। संकल्प राजकमल ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण है। विद्यार्थी परिषद के अनुसार, छात्रशक्ति ही राष्ट्रशक्ति होती है।और छात्रों में परीक्षा के पहले होने वाली घबड़ाहट और डर को मिटाने के लिये यह कार्यक्रम किया जा रहा है, ताकि छात्र छात्राएँ बिना डर व चिंता के परीक्षा देकर अच्छे नंबर लाएं और देश का भविष्य बनें।

भदेसर क्रिकेट प्रीमियर लीग का हुआ समापन

टीम रॉयल प्रधान विजेता, मातेश्वरी क्लब भदेसर उप विजेता रही

शंभूपुरा। भदेसर में चल रही तीन दिवसीय भदेसर क्रिकेट प्रीमियर लीग का समापन एसडीम ऋषि सुधांशु पांडे एवं भदेसर डिप्टी अनिल जोशी एवं भदेसर तहसीलदार शिव सिंह की एवं विुत विभाग के सहायक अभियंता प्रभु लाल प्रजापत उपस्थिति में संपन्न हुआ।

आयोजक टीम के संयोजक प्रकाश लिटिल भट्ट ने बताया कि इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया था। जिसमें से फाइनल मैच मातेश्वरी क्लब भदेसर एवं टीम रॉयल प्रधान भदेसर के बीच खेला गया। जिसमें से टीम भदेसर रॉयल प्रधान विजेता एवं मातेश्वरी क्लब भदेसर उप विजेता रही वहीं तृतीय स्थान पर अमर क्लब भदेसर रही। प्रथम विजेता को 11111 नगद राशि, द्वितीय विजेता को 7500 नगद राशि, एवं तृतीय विजेता को 5100 की नगद राशि एवं ट्रॉफी का पुरस्कार भदेसर एसडीएम भदेसर डिप्टी भदेसर तहसीलदार एवं मॉडल स्कूल के प्रधानाचार्य हिमांशु जानी के द्वारा प्रदान करवाया गया। सबसे पहले निर्णायक मंडल के छह शारीरिक शिक्षकों को सम्मानित कर समापन कार्यक्रम की शुष्ठ आत की गई ।भदेसर डिप्टी अनिल जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा की तीन दिवसीय क्रिकेट के इस सफल आयोजन के लिए उन्होंने टीम प्रकाश लिटिल भट्ट को बहुत बधाई दी और कहा कि बिना किसी विवाद के तीन दिवसीय खेलों का समापन होना यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। वहीं भदेसर एसडीम ऋषि सुधांशु पांडे ने कहा की उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से भी व्यक्ति अपने जीवन में सफलता को प्राप्त कर सकता है।

कार्यक्रम के समापन में प्रकाश लिटिल भट्ट द्वारा सभी अतिथियों का आभार जताया गया एवं विजेता टीम को बधाई दी गई। और समस्त ग्राम वासियों एवं खिलाड़ियों को इस अभूतपूर्व आयोजन में सहयोग करने के लिए धन्यवाद किया गया।

इस अवसर पर भदेसर के चंदन सिंह यशराज दाधीच ऋतिक गर्ग अमन मोहित खान, जितेंद्र साहू भूपेंद्र सिंह दिनेश चंद्र अजय पाल सिंह हिम्मत सिंह, दिनेश सोनी, मुन्ना माली, राम सिंह तेजपाल रेगर, पवन आचार्य, महेश आचार्य उपस्थित थे।

अणुव्रत स्थापना दिवस

पेटलावद। अणुव्रत जन जन के मन में दिल दिमांग में स्थापित हो जाये तो जीवन के अनेकानेक समस्याओं का समाधान हो सकता है जब वह चरित्र बनके चमकने लगे कर्म बनके कहने लगे तो वह आन्दोलन का रूप ले लेता है। तुलसी बाल विद्या मंदिर स्कूल पेटलावद में अणुव्रत समिति पेटलावद के तत्वावधान में आणुविभा के म प्र पदाधिकारी श्री पवन भण्डारी के मार्गदर्शन में 77वां अणुव्रत स्थापना दिवस मनाया गया। अणुव्रत समिति पेटलावद के अध्यक्ष श्री सचिन मूणत ने बच्चो को आचार्य श्री तुलसी के अवदानों को जीवन मे ग्रहण करने की प्रेरणा दी। पेटलावद तेरापंथ सभा के मंत्री व अभातेयुप सदस्य श्री रूपम पटवा ने बच्चो को अणुव्रत आचार सहिता का संकल्प दिलाया, सभा के नवमनोनित अध्यक्ष श्री नरेन्द्र पालरेचा जी नें बच्चों को नेक बनने का आर्शीवाद दिया। श्री पंवार साहब व श्रीमति वन्दना जानी सहित अनेकानेक स्टाफ व कार्यकत्ताओं के बीच अणुव्रत स्थापना दिवस मनाया गया। विद्यालय के स्टाफ द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षक अवधेश कुमार ने किया। साथ ही शाम को शनिवार सामायिक के पश्चात पेटलावद तेरापंथ सभा भवन में श्रावक श्रविकाओ द्वारा आचार्य श्री तुलसी का महान अवदान को याद कर अणुव्रत स्थापना दिवस मनाया गया।

पीने के पानी की वितरण व्यवस्था से परेशान वार्ड वासियों ने यत्व्यवस्था में सुधार कराने की मांग कर पानी उपलब्ध कराने का दिया आवेदन

सिंगोली-गर्मी की शुरुवात से पहले ही नगर में जनता को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है,जिले के सबसे अंतिम छोर पर बसे सिंगोली नगर में अभी से भारी जल संकट गहराने लग गया हे अभी तो गर्मी की शुरुवात भी नहीं हुई हे उससे पहले ही जनता का पानी के लिए हाल बेहाल होने लगा हे नगर परिषद द्वारा पूरे वर्ष भर एक दिन छोड़कर पेयजल वितरण नगर में किया जा रहा हे वर्तमान में कभी तीसरे दिन ,कभी पांच दिन ओर कही उससे भी ज्यादा दिन छोड़कर जल प्रदाय से जनता परेशान होने लगी हे पानी के लिए भटकना पड़ रहा हे जल कर्मचारी ओर अधिकारी से पानी के लिए पूछने पर आश्वासन मिल रहा है परेशान जनता द्वारा निजी परिवहन से अपने घर पर जल भराया जा रहा हे लेकिन जो गरीब ओर मजदूर वर्ग के हे उनका क्या होगा ,,, नगर में प्रति वर्ष गर्मियों में पानी के लीये निजी परिवहन व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ता है स्थाई निदान अभी तक नहीं हो पाया हे नगर परिषद इस ओर प्रयास कर रही हे लेकिन उनका परिणाम नहीं मिल पाने से जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा हे अभी तो गर्मी की शुरुवात भी नहीं हुई हे मार्च, अप्रैल, मई जून के महीने में क्या हाल होगा ,,,जल समस्या से परेशान मंगलवार को वार्ड 1 ओर 3 के रहवासी नगर परिषद कार्यालय पहुंचे और अपना आक्रोश व्यक्त किया ,,,रहवासियों ने नप के कपिल सिंह राजावत को आवेदन देकर के शीघ्र ही समस्या से निजात दिलाने की मांग करी हे वरना आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा ,नगर की जनता ने जिन प्रतिनिधियों को जीता कर परिषद में भेजा हे वह भी इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हे ओर पानी के लिए परेशान जनता की आवाज नहीं सुन रहे हे इस बात पर ज्यादा आक्रोश हे कि चुने हुवे प्रतिनिधियो को अब जनता के दुख दर्द से कोई मतलब नहीं रहा हे इस अवसर पर अरविंद विश्नोई, राहुल जैन ,सांवरिया अग्रवाल,अशोक राठौर,संदीप अग्रवाल,मनीष फाफरिया सहित वार्ड 1ओर 3 की महिलाएं उपस्थित थीवार्ड 1ओर 3 के रहवासियों ने आवेदन दिया हे समस्या को दूर किया जाएगा औरनगर परिषद द्वारा नगर में पानी के लिए नवीन ट्यूबवेल खनन कार्य करवाया जा रहा हेएवं टैंकर द्वारा परिवहन किया जा रहा हे जिससे कि जनता की समस्या का निदान हो सके और समय पर जनता को पानी उपलब्ध किया जा सके-कपिल सिंह राजावत लेखाधिकारी नगर परिषद सिंगोली

नगर के प्राचीनतम मंदिर श्री तिलभांडेश्वर महादेव के महंत डाक्टर श्री प्रकाश आनंद जी भारती का निधन

तराना नगर मे कल दोपहर 1 बजे एक बहुत दु:खत खबर सामने आयी जब नगर मे खबर आयी की महंत जी नहीं रहे जो की साधु समाज और नागरिकों के लिये अपूरणीय क्षति है. अत्यंत विचलित कर देने वाला समाचार प्राप्त उम्र के इस पड़ावमें भी महंतश्री अत्यंत सक्रीय रहे थे. उनके अंदर संघर्ष करने की अद्भूत जीजीविषा सबने हमेशा महसूस की.धर्म के लिये समर्पण, अधिकार के प्रति जागरूकता और स्वभाव में नरमी और गरमी का अजीब समावेश था. आप लगभग हर एक को नाम से जानते दे . नगर केहर कार्यक्रम में आपकी उपस्थिति रहती थी . अध्यात्म और चिकित्सा में आपकी रुचि रही. लगभग दो वर्ष पहले नगर के स्वयभू महादेव मंदिर के और लगभग एक वर्ष पहले श्री नरसिंह मंदिर के महंतश्री के देहावसान को लोग भूल भी नही पाये थे कि आप महंतश्री ने देह त्याग दी. नगर के श्रावण मास की सवारियों, और महाशिवरात्रि पर महाशिवपुराण की कथा के आयोजन में आपकी चौकन्नी निगाह और वरदहस्त रहता था. नागा संप्रदाय से जुड़े महंतश्री ने मठ श्रीतिलभांडेश्वर मंदिर की अन्य लोगों द्वारा कब्जा किये जाने पर सुप्रीम कोर्ट तक अपनी बात रखी थी. तब से ही आप 'सुप्रीम कोर्ट बाबा ' कहलाने लगे थे। महंत जी के निधन से नगर में शोक की लहर फैल गई है.

आलोक संघ की जिला कार्यकारणी विस्तार बैठक लोधी भवन दमोह में सम्पन्न हुई

दमोह/आलोक संघ दमोह की बैठक वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी सामुदायिक भवन दमोह में नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री काशीराम सिंह लोधी जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें बैठक का मुख्य एजेंडा जिला तथा ब्लॉक कार्यकारणी का गठन करना बैठक की शुरुआत महारानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी जी के छाया चित्र पर पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण कर की गई उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने अपना अपना परिचय दिया तथा जिले भर से आए अधिकारी कर्मचारियों ने अपने अपने सुझाव रखे विकासखंड दमोह, पथरिया, बटियागढ़, जबेरा, हटा ,पटेरा एवं तेंदूखेड़ा से आए समस्त अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति रही ,तथा जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आय व्यय प्रस्तुत किया गया जिला स्तरीय आलोक संघ समिति पर चर्चा हुई ।आलोक संघ की आगामी गतिविधियों पर विचार विमर्श किया गया आलोक संघ के पदाधिकारी/सदस्यों के नामांकन शुल्क जमा करवाई गई साथ ही 5 जनवरी 2025 को सम्पन्न हुए कार्यक्रम में प्राप्त बंदियों का अनुमोदन किया गया विकासखंड स्तरीय समितियों के गठन हेतु सक्रिय कर्मचारियों की सूची तैयार की गई ।बैठक में पूर्व अध्यक्ष श्री नारायण सिंह लोधी (केंद्रीय विद्यालय हटा प्राचार्य) जी के तीन साल के सफल कार्यकाल का उद्बोधन करते हुए संघ की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए फूल माला पहनाकर स्वागत किया तथा नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री काशीराम सिंह का फूल माला पहनाकर स्वागत किया साथ ही अन्य पदाधिकारियों का स्वागत कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की आलोक संयोजक श्री खिलान सिंह लोधी ने बताया कि आलोक हमेशा अच्छे कार्यों को करता आया है आलोक संघ का मुख्य उद्देश्य है कि बच्चों को आगे बढ़ाना और ग्रामीण इलाकों के बच्चों को जागरूक करना ।बैठक का मंच संचालन श्री

हुकुम सिंह जी संसद पी.ए.ने किया बैठक में उपस्थित बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही। बैठक में उपस्थित पदम सिंह दयालु ठाकुर प्रेम सिंह देवेंद्र सिंह कल्याण सिंह राधा ठाकुर देवी ठाकुर संतोष सिंह अमर सिंह गुमनेश सिंह नर्मदा सिंह पुरुषोत्तम सिंह राजेश सिंह जितेंद्र सिंह नंद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही आभार जागेश्वर सिंह लोधी ने किया।

सोलंकी के निर्देश पर बनी समिति

स्वास्थ विभाग के केंद्रों की करेंगे जांच देंगे प्रतिवेदन

उज्जैन
जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा एक जांच समिति (दल) का गठन किया गया है, यह दल आशा कार्यकर्ता और सुपरवाइजर के मानदेय भुगतान, पी बी आई (फर्फार्मेंस बेस इंसेंटिव), भुगतान की जांच करेंगे ! ज्ञात हो कि जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक में जिला पंचायत सदस्य के द्वारा उपस्वास्थ केंद्र पर स्वास्थ सेवाओं के संबंध में प्रश्न करते हुए जानकारी चाही गई थी कि इस केंद्र के खुलने का तथा इसमें किस प्रकार से कार्य होता है गोली दवाई आदि के वितरण के साथ ही आशा कार्यकर्ताओ सुपरवाइजर आदि के मानदेय भुगतान के संबंध में जानकारी साधारण सभा के बैठक में प्रश्न किया था जिसपर कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी को एक दल गठन करने के निर्देश दिए गए जिसपर खाचरोद क्षेत्र के लिए एक दल का गठन किया गया जिसमें क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य श्रीमतीराधिका कुंवर गजेन्द्रसिंह सोलंकी के साथ बीएमओ (विकाशखंड मेडिकल अधिकारी), बीईई (स्वास्थ विभाग के सुपरवाइजर), बीसीएम (स्वास्थ्य विभाग के एकाउंटेंट), बीएएम (स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी) का एक दल बनाया यह दल केंद्रों पर जाकर निरीक्षण करते हुए, 15 दिवस में अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे !

धार पुलिस को थाना गंधवानी क्षेत्रान्तर्गत ट्रेक्टर व ट्राली चोरी करने वाले शातिर आरोपी भंगडा को गिरफ्तार करने में मिली महत्वपूर्ण सफलता

धार धार / पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में थाना गंधवानी पुलिस टीम द्वारा 01 आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई ट्रेक्टर व ट्राली कीमती 3,50,000/- रुपये को बरामद करने में सफलता हासिल की।

गंधवानी पुलिस को जिला अलिराजपुर के ग्राम जमेरी के जंगल में जाकर चोरी गया ट्रेक्टर व ट्राली बरामद करने में मिली सफलता।

धार पुलिस व्दारा शातिर आरोपी भंगडा की ट्रेक्टर व ट्राली पर नया पेन्ट करवाकर व फर्जी नाम लिखवाकर ट्रेक्टर व ट्राली को छुपाने की कोशिश को किया नाकाम।

आरोपी भंगडा पूर्व में भी थाना टाण्डा क्षेत्रान्तर्गत कर चुका हैं ट्रेक्टर चोरी।

थाना गंधवानी क्षेत्रान्तर्गत की दरम्यानी रात को इंडियन पेट्रोल पम्प सिंघाना रोड गंधवानी से अज्ञात आरोपी द्वारा ट्रेक्टर क्रमांक MP 11 AC 7522 मय ट्राली चोरी कर ले जाने पर फरियादी कैलाश पिता गोकुल डावर निवासी बारिया थाना गंधवानी की रिपोर्ट पर अपराध 42/2025 धारा 303 (2) बी.एन.एस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोजकुमार सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय धार डॉ. इन्द्रजीत बाकलवार के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मनावर श्रीमति अनु बैनिवाल (भा.पु.से.) के कुशल नेतृत्व में थाना प्रभारी गंधवानी निरीक्षक अनिल जाधव की टीम को लगाया गया था।

थाना गंधवानी पुलिस टीम को मुखबीर व्दारा सूचना मिली कि ग्राम नाहवेल थाना बाग के भंगडा उर्फ मोहन व्दारा इंडियन पेट्रोल पम्प सिंघाना रोड गंधवानी से ट्रेक्टर व ट्राली चोरी की गई हैं। मुखबीर सूचना के आधार पर ग्राम नाहवेल में दबिश देकर मुखबीर व्दारा बताये गये हुलिये अनुसार एक व्यक्ति को पकडा नाम पता पुछते अपना नाम भंगडा उर्फ मोहन पिता कालु भंवर जाति भीलाला उम्र 30 वर्ष निवासी नाहवेल थाना बाग जिला धार का होना बताया जिससे पुछताछ पर उक्त घटना घटित करना स्वीकार किया। आरोपी भंगडा व्दारा ट्रेक्टर व ट्राली की पहचान छिपाने के उद्देश्य से पेन्टर से नया कलर करवाकर फर्जी नाम लिखवाकर ग्राम जमेरी थाना जोबट जिला अलीराजपुर के जंगल में छुपाकर रखा गया था जहाँ पर आरोपी की निशादेही से चोरी गया ट्रेक्टर व ट्राली जप्त किया गया। आरोपी भंगडा को पूर्व में थाना टाण्डा पुलिस व्दारा ट्रेक्टर चोरी के अपराध में गिरफ्तार किया जा चुका हैं। गिरफ्तार शुदा आरोपी को पुलिस रिमाण्ड मे लिया जाकर अन्य आरोपीयो के संबन्ध में तथा अन्य घटनाओं के बारे में भी पुछताछ कि जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी के नाम
1भंगडा उर्फ मोहन पिता कालु भंवर जाति भीलाला उम्र 30 वर्ष निवासी नाहवेल थाना बाग जिला धार (म.प्र.)
उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गंधवानी (कार्य.) निरीक्षक अनिल कुमार जाधव, गुलाबसिंह अलावा किरण गिरवाल और थाना प्रभारी बाग निरीक्षक कैलाश चौहान की टीम प्रधान आरक्षक 830 भाव सिंह रावत, आरक्षक 891 शहादर चोंगड़, आरक्षक 1145 राजू चौहान, आरक्षक 567 लाल सिंह चौहान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम सम्पन्न

उज्जैन
शासकीय विक्रम महाविद्यालय खाचरोद में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया कार्यक्रम के अध्यक्षता डॉक्टर एम एस निगवाल ने की कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ ज्योति यादव ने राष्ट्रीय सुरक्षा में विद्यार्थियों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किये कार्यक्रम में डॉ योगेश कुमार शुक्ल द्वारा विद्यार्थियों को अपने संवैधानिक कर्तव्य एवं नैतिक मूल्यों की आवश्यकताओं से अवगत कराया इसी कड़ी में डॉ एम एस निगवाल द्वारा साइबर क्राइम के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम का संयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ प्रशांत राणा तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ भावना पाटीदार द्वारा किया गया अंत में आभार प्रदर्शन डॉ रूपलाल मेघवाल ने किया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

अवैध मदिरा के विरुद्ध अतिसंवेदनशील स्थानों पर कार्यवाही

तीन लाख रुपए की अवैध मदिरा व मदिरा बनाने की सामग्री जप्त

खरगोन
आबकारी आयुक्त म.प्र. द्वारा जारी निर्देशों के आलोक में खरगोन जिले में कलेक्टर भव्या मित्तल के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के निर्देश पर अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाये जा रहे लगातार विशेष अभियान के तहत वृत्त कसरावद में मंगलवार को प्रभारी अधिकारी आबकारी नियंत्रण कक्ष, सजेन्द्र मोरी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा विक्रेताओं पर कार्रवाई कर ग्राम भीलगांव तथा चिचलाय के जंगल व मक्के के खेत में अलग-अलग स्थान पर कार्यवाही कर वृत्त प्रभारी ओमप्रकाश मालवीय आबकारी उपनिरीक्षक द्वारा म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क,च के तहत 06 प्रकरण दर्ज कर 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। 120 लीटर हाथ भट्टी मदिरा तथा 2800 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर महुआ लहान के सेम्पल लेकर शेष लहान नष्ट किया गया।कार्रवाई में जब्त अवैध मदिरा तथा सामग्री का कुल अनुमानित मूल्य तिन लाख है। उक्त कार्यवाही में वृत के आबकारी आरक्षक शिवनारायण कटारे,रिता सिंगोरिया का योगदान रहा। सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

एक महिला और एक पुरुष चोर को पकड़ा पुलिस चौकी बाकानेर को मिली बड़ी सफलता मनावर पुलिस

धार
धार चौकी बाकानेर थाना मनावर पुलिस को नकबजनी ट्रेस करने में मिली बड़ी सफलता । दो आरोपियों से सोने, चांदी के जेवरात व नगदी, कुल कीमत 1 लाख 29 हजार रुपये बरामद किये । पुलिस अधीक्षक जिला धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा क्षेत्र में हो रहे संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने तथा ट्रेस कर आरोपियों की गिरफ्तारी करने हेतु लगातार निर्देशित किया गया। जिसके परिपालन में श्री इन्द्रजीत बाकलवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार के निर्देशन में श्रीमती अनु बेनीवाल (द्धक्क्ष्), एसडीओपी मनावर के नेतृत्व में थाना प्रभारी मनावर के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी बाकानेर उनि अश्विन चौहान व चौकी स्टाफ के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना में चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात, कीमती 64000 रुपये/- व नगदी 15000 रुपये 02 आरोपीयो से बरामद किए तथा घटना में प्रयुक्त एक्टीवा बाइक किमती करीबन 50000 रुपये भी जप्त की गई । ग्राम जाटपुर में एक महिला व पुरुष संदिग्ध हालत में घूमते दिखाई दिए। गांव के लोगों को शंका होने पर पुलिस चौकी बाकानेर पर सूचना दी गई। चौकी प्रभारी बाकानेर अश्विन चौहान, गोरेलाल शुक्ला व स्टाफ के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर क्षेत्र में हुई चोरी के संबंध में पूछताछ की। जिन्होंने करीबन एक माह पूर्व ग्राम अंजन्दीमान बाकानेर में तीन अलग-अलग सुने मकानों का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात व नगदी रुपये चुराकर ले जाना कबूल किया। जिनसे सोने-चांदी के जेवरात, कीमती 64000 रुपये व नगदी 15000 रुपये बरामद किए गए तथा आरोपियों से घटना में प्रयुक्त एक्टीवा बाइक भी जप्त की गई।

सराहनीय कार्य - उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी अश्विन चौहान बाकानेर, गोरेलाल शुक्ला, दयाराम चौहान, राकेश कन्नौजे, अजय कुमार शर्मा, जितेन्द्र जामकर अनिल सौलंकी, फुलवंती परदेशी का सराहनीय कार्य रहा।

आजादनगर क्षेत्र के नदीम किराना स्थित एहसान जेंट्स टेलर्स के दुकान में बाल एवं श्रम विभाग का छापा

बुरहानपुर। बुरहानपुर जिला अंतर्गत गणपतिनाका थाना क्षेत्र के आजादनगर नदीम किराना के पास हमजा मस्जिद वाला गली में संचालित एहसान जेंट्स टेलर्स के दुकान पर 6 मासूम बच्चे काम कर रहे थे,जिनका आयु 7- 12 तक हैं, इसकी शिकायत समाजसेवी हसीबुर रहमान ने 1098 पर की थी और जिला बाल संरक्षण विभाग के अधिकारी को किया था, जिसमे आज दिनांक 04 मार्च 2025 को समय लगभग 03ः30 बजे दिन को बाल एवं श्रम विभाग के अधिकारी सहित गणपतिनाका थाना का प्रशासन एहसान जेंट्स टेलर्स के दुकान पर छापामारी किया तो कुछ बच्चे भाग निकला और 3 बच्चे को गठित टीम ने बरामद करते हुए अग्रिम कार्यवाही के लिए अपने साथ ले गए हैं ।

इस नियम के तहत कार्यवाही होना हैं बाल श्रम (निषेध एवं नियमन) अधिनियम, 1986 के मुताबिक, 14 साल से कम उम्र के बच्चे को किसी कारखाने या खान में काम नहीं कराया जा सकता। किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2000 के तहत बाल श्रम की पहचान, मुकदमा चलाना, और रोकना संभव है।
* 10 अक्टूबर, 2006 से घरों और ढाबों तथा कोई भी दुकान में बच्चों से मज़दूरी कराना गैरकानूनी है।

ठाकुर शिवकुमारसिंह किसान हितेषी समिति पैनल के विरोध में सांसद, विधायक जमा कर पाए केवल 23 डेलिगेट

बुरहानपुर
उनको लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे अन्य भाजपा नेतागण संख्या बल दिखाने तरबूज ऐवम खरबूजे की फसल के हुए नुकसान का मुआवज़ा की दरख्वास्त के बहाने ले गए कई किसानों को भोपाल। नवलसिंह सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित नवलनगर झिरी बुरहानपुर में डेलिगेट के चुनाव सम्पन्न हुये जिसमें 161 समूह में से 86 डेलिगेट की सूची जारी हुई थी। ऐसे में खण्डवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, बुरहानपुर विधायक अर्चना चिटनीस एवं नेपानगर विधायक मंजूश्री दादू के संग 22 डेलिगेट मुख्यमंत्री माननीय मोहन यादव से भेट करने गये। कुछ समय से भाजपा समर्पित पैनल यह बोलते आये है कि उनके पास 52 डेलिगेट है लेकिन जब तस्वीर सामने आयी तो केवल मात्र 20 से 22 डेलिगेट और उनके संग कुछ 20 भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी दिखाई दिये। ऐसे में ठाकुर शिवकुमारसिंह किसान हितेषी समिति पैनल का पलडा भारी दिखते नजर आया। असल किसके पास कितने डेलिगेट है इसका अंदाजा तो डायरेक्टर चुनाव सम्पन्न होने पर ही पता चल पायेगा। आपको बता दें कि 86 डेलीगेट में से जिन 9 स्थानों पर चुनाव हुआ था उन 9 स्थानों में से 7 स्थानों पर किसानों नें ठाकुर शिवकुमारसिंह किसान हितेषी समिति पैनल पर भरोसा जताया था और जीत दर्ज कराई थी जिसके कारण शिवकुमारसिंह किसान हितेषी पैनल का मनोबल बढा हुआ है और उनका किसानों व डेलिगेटों पर विश्वास मजबूत है।

संकुल केंद्र MLB उ.मा.वि. शाजापुर के जनशिक्षक गोपाल कुम्भकार बने क्क्स्शिक्षक संघ के संभागीय महासचिव एवं क.मा.वि.दुपाड़ा के माध्यमिक शिक्षक बने संभागीय उपाध्यक्ष।

शाजापुर शाजापुर - पीएमयूएम शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रांताध्यक्ष मुरली मनोहर अरजरिया ने एमएलबी उमावि शाजापुर के जनशिक्षक गोपाल कुम्भकार को संभागीय महासचिव के पद पर मनोनीत किया है। इसी प्रकार शाजापुर जिले से क.मा.वि. दुपाड़ा के नवाचारी शिक्षक माध्यमिक शिक्षक सत्यनारायण पाटीदार को संभागीय उपाध्यक्ष और शाजापुर जिलाध्यक्ष पद के लिए माध्यमिक शिक्षक संजय शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। उक्त पदाधिकारियों के मनोनयन पर बीएसी जगदीश भावसार, विकासखंड साक्षरता समन्वयक लोकेश राठौर, जनशिक्षक शिवनारायण कराड़ा, शिक्षक मनीष सौराष्ट्रीय, मुरली पाटीदार, लोकेंद्र शर्मा, दीनबंधु उपाध्याय, आशुतोष शर्मा, आशीष सक्सेना, सुशील शर्मा, महेश शर्मा सहित ईष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त कर स्वागत सत्कार किया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों में नहीं किया जा रहा शासकीय नियमों का पालन

आलीराजपुर- पूर्व विधायक मुकेश पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किए गए निर्माण कार्यों में शासकीय नियमों का पालन नहीं करते हुए भ्रष्टाचार करने किए जाने की शिकायत की है। पत्र में कहा है कि जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ये नए निर्माण कार्यों में संबंधित कार्य एजेंसी ग्राम पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा विगत वर्ष 2011-12 से निरंतर किये जा रहे निर्माण कार्यो मे शासन के नियमों का पालन नहीं करते हुए लाखों करोड़ों के भ्रष्टाचार किए जा रहे हैं।

यह मांग रखी पत्र में ग्रामीण यांत्रिकी विभाग द्वारा पंचायत ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न योजनाओं के निर्माण कार्य विगत वर्षों 2011-12 से 2017-18 मे स्वीकृत कार्य तालाब, स्टाप डेम कितने बनाये गये? यदि बनाये गये तो धरातल पर क्यो नही दिख रहे। इसमे विभाग द्वारा भारी फर्जीवाड़ा किया गया है। यदि बनाये गये हे तो पोर्टल पर फोटो क्यो नहीं है। केवल बिलो के भुगतान दिखाई दे रहे हैं। इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। ग्रामीण यांत्रिकी विभाग द्वारा पंचायत ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न योजनाओं के निर्माण कार्यो को बिना टेंडर के विभाग के उपयंत्री श्री जाटव द्वारा लाखो करोड़ो रुपये के निर्माण कार्य स्वयं ठेकेदार बनकर कराये जा रहे है इनके द्वारा जिले के बहार के फर्जी ठेकेदार, फर्म व कम्पनी के बिल लगाकर लाखो के भुगतान कर स्वयं लाभ ले रहे हैं।आज की ताजा स्थिति मे भी कार्य मशीनों द्वारा कराया जा रहा है।श्री जाटव की आयकर विभाग द्वारा जांच की जावे। पेपर कटिंग संलग्न है। ग्राम साकड़ी विकास खण्ड सोंडवा मे मनरेगा योजना से स्वीकृत पुलिया जिसकी लागत लगभग 45 से 46 लाख है। जोलगभग वर्ष 2021-22 मे स्वीकृत किया जा कर कार्य एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग को बनाया गया था। विभाग द्वारा पुलिया अधूरा बनाया गया जो आज भी पूर्ण नही हुआ है। राशि पुरी खर्च कर दी गई हैं। गांव के मजदूरों को मजदूरी भी भुगतान नही हुई है। इसकी जांच की जावे और दोषी अधिकारी पर कार्यवाही कर वसूली की जावे।फोटो संलग्न है। ग्राम पंचायतो द्वारा कराये जा रहे निर्माण करो मे उपयोग समग्री के बिना त्नस्ञ्ज बिलो के हजारों लाखो की राशि भुगतान की जा रही है, भुगतान बिलो पर कोई भी टेक्स नहीं काटा जा रहा है जिससे शासन को नुकसान हो रहा है। सभी ग्राम पंचायतो मे विगत वर्षों से विधायक, सांसद निधि योजना से पानी के टेंकर वितरित किये गये है और किये जा रहे है। उसके बावजूद ग्राम पंचायत द्वारा निर्माण कार्यो मे पानी के टेंकर भाड़ा बताया जाकर हजारों लाखो का भुगतान किया जा रहा है। जो गलत व फर्जी भुगतान हो रहा है। इसके प्रमाण पंचायत दर्पण पोर्टल पर अपलोड बिल देखे जा सकते हैं। पंचायत दर्पण पोर्टल शासन ने ग्राम पंचायत मे किये जा रहे विकास कार्यो की पारदर्षिता रखने के लिए बनाया गया है। किन्तु अधिकांश ग्राम पंचायतो द्वारा विभिन्न योजनाओं के किये जा रहे निर्माण कार्यो के बिल, कार्यो के फोटो पोर्टल पर अपलोड किये जाने का प्रावधान है पर नही किये जा रहे है। इसका प्रमाण पोर्टल पर देखा जा सकता है। इससे यह प्रतीत होता है की धरातल पर काम नही होकर केवल कागज पर किया जा रहा है।
7. ग्रामीण यांत्रिकी विभाग और ग्राम पंचायत द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्यो मे मिट्टी, मुरम और रेत क्रय की जाकर उपयोग की जा रही है। उक्त ग्रामीण यांत्रिकी विभाग और ग्राम पंचायत द्वारा किये जिस फर्म से खरीदी हजारों लाखो के बिल भुगतान किये गये और किये जा रहे है। क्या विक्रेता फर्म द्वारा खनिज विभाग से मिट्टी, मुरम और रेत की रॉयल्टी प्राप्त की जाकर विक्रय किया जा रहा है। इसमे खनिज विभाग की बड़ी लापरवाही की जा रही हैं।

भव्य हनुमान कथा का आयोजन

गड़ावड़िया धाम बालाजी के परम उपासक श्री धर जी बैरागी के मुखर बिंद

उमड़ा जान सैलाब दिव्य दरबार मे गुरुजी द्वारा परचे बनाकर किया गया निराकरण

झाबुआ
तप विद्यार्थी हनुमान मंदिर और बालाजी कथा समिति के तत्वा धाम में तीन दिवसीय संगीतमय हनुमान कथा का समापन हुआ इन तीन दिवस में गुरुदेव के मुखारबिंद से नगर वासियो ने हनुमान कथा का तो रसपान किया साथ ही दिव्य दरबार मे बालाजी की कृपा से भक्तों की बीमारियों और समस्याओं का निराकरण कथा स्थल पे किया गया इन तीन दिनों में गुरुदेव द्वारा लगभग 600 से 700 लोगो के परचे बनाये गए गुरुदेव की इन परचो की चर्चा नगर ही नही पूरे प्रदेश में हो रही है कथा में अ ज जा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंग भभार, ड्ढद्भश्च के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओर जिला प्रभारी हरिनारायड यादव इंदौर, बंटी मिश्रा, विधायक विरसिंग भूरिया, पूर्व विधायक वालसिंग मेडा, प्रदेश मंत्री संगीता सोनी, विश्वास सोनी, पूर्व मंडी रतलाम के अध्यक्ष प्रकाश भगोरा,नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुनील पण्डा , पेटलावद के गोपाल बैरागी ,अशोक अरोरा ने भी शिरकत करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया गया ।इस सफलतम आयोजन को सफल बनाने में समिति के कमलेश दायजी,समकित तलेरा, गौरव राठौर, नीरज कोठारी, विमलेश छाजेड़, दिलीप नोगांव राजू परमार, सुनील पोरवाल ,ओर गड़ावड़िया,खवासा की टीम का विशेष सहयोग रहा ।तीन दिवसीय इस आयोजन में जल की पूरी व्यवस्था आशीष गोड़ के द्वारा की गई ।

खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा आतंकी हमला

आर्मी कैंट इलाके में बम धमाके में 9 की मौत, 35 घायल

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित बन्नू कैंटोनमेंट के बाहरी इलाके में दो भीषण बम धमाके हुए. धमाकों के बाद इलाके में भारी गोलीबारी और सुरक्षाबलों व आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबर है. इसे एक पूर्व नियोजित आतंकी हमला बताया जा रहा है.

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच हुई झड़प में कम से कम नौ लोग मारे गए और 35 घायल हो गए. जैश उल फुरसान, जो किसी समय पर पाक सेना गठबंधन का हिस्सा रहे (हाफिज़ गुल बहादुर) का हिस्सा है और जिसने हाल ही में टीटीपी के साथ हाथ मिलाया है, इस हमले के पीछे बताया जा रहा है.

आतंकियों ने किया कार बम का इस्तेमाल

रिपोर्ट के अनुसार, आतंकियों ने दो कार बम का इस्तेमाल किया, ताकि सुरक्षा बलों का ध्यान भटकाया जा सके. इसके तुरंत बाद टारगेटेट हमला किया गया. आतंकियों ने इफ्तार के ठीक बाद बन्नू कैंट के सुरक्षा बैरियर पर हमला बोला. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 5 से 6 आतंकी इस हमले में शामिल थे.

बलूचिस्तान में हुआ था सुसाइड अटैक

इससे पहले सोमवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक महिला सुसाइड बॉम्बर ने पैरामिलिट्री फ्रंटियर कोर के काफिले को निशाना बनाया था. इस हमले में एक सैनिक की मौत हो गई थी जबकि चार अन्य घायल हो गए थे.पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के अनुसार, हमला कलात जिले के मुगलजई इलाके में नेशनल हाइवे पर हुआ. सुसाइड बॉम्बर ने फ्रंटियर कोर के काफिले को निशाना बनाया. महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा किया गया यह हमला दुर्लभ घटनाओं में से एक है.

नरम पड़े जेलेंस्की के तेवर, ट्रंप के साथ डील को तैयार

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने के भी संकेत

नई दिल्ली । यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ खनिज और सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मजबूत नेतृत्व में काम करने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि शुक्रवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप से उनकी मुलाकात निराशाजनक रही, लेकिन उन्होंने फिर से यूक्रेन की शांति के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की और ट्रंप द्वारा यूक्रेन को जेवेलिन मिसाइलें देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, अब सही समय है, हम चीजों को ठीक करने के लिए तैयार हैं। एक बयान में जेलेंस्की ने कहा, मैं फिर से यूक्रेन की शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना चाहता हूं। हम में से कोई भी अनंत युद्ध नहीं चाहता। यूक्रेन शीघ्र ही बातचीत की मेज पर बैठने के लिए तैयार है ताकि स्थायी शांति को करीब लाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि, हम युद्ध को समाप्त करने के लिए जल्दी काम करने के लिए तैयार हैं और इसके पहले चरण में कैदियों की रिहाई और हवाई हमले रोकने के लिए संघर्ष विराम शामिल हो सकते हैं। यदि रूस भी ऐसा ही करता है तो हम इसे युद्ध को शांत कर सकते हैं। हम अगले चरणों के लिए तेजी से काम करना चाहते हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक मजबूत अंतिम समझौते पर सहमति बनाने के लिए काम करेंगे।

जेवलिन मिसाइल के लिए ट्रंप का जताया आभार जेलेंस्की ने अमेरिका के समर्थन की सराहना करते हुए कहा, हम वास्तव में इस बात की सराहना करते हैं कि अमेरिका ने यूक्रेन की संप्रभुता और स्वतंत्रता बनाए रखने में कितना योगदान दिया है। हम उस पल को नहीं भूल सकते जब चीजें बदल गईं जब राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन को जेवेलिन मिसाइलें प्रदान की थीं। इसके लिए हम आभारी हैं। जेलेंस्की ने कहा, हमारी बैठक शुक्रवार को व्हाइट हाउस में उस तरह से नहीं गई जैसी होनी चाहिए थी। यह दुखद है कि ऐसा हुआ। अब चीजों को ठीक करने का समय है। हम चाहते हैं कि भविष्य में सहयोग और संवाद रचनात्मक हो।

डील पर हस्ताक्षर को तैयार जेलेंस्की खनिज और सुरक्षा समझौते पर टिप्पणी करते हुए जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन इस पर किसी भी समय और किसी भी सुविधाजनक प्रारूप में हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। हम इस समझौते को अधिक सुरक्षा और ठोस सुरक्षा गारंटी की ओर एक कदम मानते हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह प्रभावी रूप से काम करेगा।

ओवल वाली बैठक से बिगड़े थे संबंध पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुई मुलाकात के बाद इस समझौते पर हस्ताक्षर करने की योजना रुक गई थी। इस मुलाकात में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जेलेंस्की से कहा था कि उन्हें यूएस से अतिरिक्त सहायता की मांग करने के बजाय अमेरिकी समर्थन के लिए धन्यवाद कहना चाहिए। ट्रंप ने यह भी कहा था, आप तीसरे विश्व युद्ध को दांव पर लगा रहे हैं।

खनीज डील पर आगे बढ़ने की तैयारी वहीं, अमेरिकी अधिकारियों ने कीव में अधिकारियों से खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बात की है, हालांकि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि समझौता किस रूप में सामने आएगा। यह भी स्पष्ट नहीं है कि समझौते में कोई बदलाव हुआ है या नहीं। आपको बता दें कि यह समझौता यूक्रेन को किसी स्पष्ट सुरक्षा गारंटी प्रदान नहीं करता था। अमेरिका को यूक्रेन के प्राकृतिक संसाधनों से होने वाली आय तक पहुंच प्रदान करता था। इसमें यह भी परिकल्पना की गई थी कि यूक्रेनी सरकार भविष्य में किसी भी राज्य-स्वामित्व वाले प्राकृतिक संसाधनों से कमाई का 50 प्रतिशत यूएस-यूक्रेन संयुक्त पुनर्निर्माण निवेश कोष में योगदान करेगी। सोमवार को ट्रंप ने संकेत दिया था कि उनकी सरकार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, यह देश उनके साथ हर स्थिति में खड़ा रहा है। हमने उन्हें यूरोप से कहीं ज्यादा दिया है और यूरोप को हमसे ज्यादा देना चाहिए था।

बोफोर्स घोटाले की जांच को फिर से शुरु करने के संकेत

भारत सरकार ने अमेरिका से मांगी नई जानकारी

नई दिल्ली । भारत ने अमेरिका को एक अनुरोध भेजा है, जिसमें 64 करोड़ रुपये के बोफोर्स घोटालेसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी की मांगी गई है। भारत सरकार के इस नए कदम से स्वीडन से 155 मिमी फील्ड आर्टिलरी गन्स की खरीद को लेकर राजीव गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के तहत हुए इस घोटाले की जांच को फिर से शुरू करने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि सीबीआई ने हाल ही में एक विशेष अदालत द्वारा जारी पत्र अमेरिकी न्याय विभाग को भेजा। इस पत्र में एजेंसी ने अमेरिकी निजी जासूसी कंपनी फेयरफैक्स के प्रमुख माइकल हर्शमैन से जुड़ी जानकारी की मांग की है।

2017 में हर्शमैन ने दावा किया था कि तब के प्रधानमंत्री राजीव गांधी गुस्से में थे जब उन्होंने स्विस बैंक खाते मॉन्ट ब्लांक का पता लगाया, जहां बोफोर्स से रिश्वत की रकम कथित रूप से जमा की गई थी। हर्शमैन ने यह भी कहा था कि उस समय की सरकार ने उनकी जांच को नाकाम कर दिया था।

सीबीआई ने पहली बार अक्टूबर 2024 में दिल्ली की अदालत से संपर्क किया था, जिसमें उन्हें अमेरिकी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करने के लिए मंजूरी देने का अनुरोध किया था। यह कदम उस समय उठाया गया था जब हर्शमैन ने भारतीय एजेंसियों के साथ सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की थी। आपको बता दें कि पत्र रोगारिटरी

एक औपचारिक लिखित अनुरोध होता है, जिसे एक देश की अदालत दूसरे देश की अदालत से एक आपराधिक मामले की जांच में सहायता प्राप्त करने के लिए भेजती है।

क्या है बोफोर्स घोटाला?

बोफोर्स घोटाला को स्वीडिश रेडियो ने उजागर किया था। यह 1989 के चुनावों में राजीव गांधी की हार का एक प्रमुख कारण बना था। हालांकि 2004 में दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ रिश्वत के आरोप को खारिज कर दिया था, लेकिन इस घोटाले से जुड़े सवाल अब भी बने हुए हैं। इसमें इटली के व्यापारी ओटाविया क्वात्रोची का भी संदिग्ध रोल था, जो राजीव गांधी सरकार में काफी प्रभावशाली था। क्वात्रोची को जांच के दौरान भारत छोड़ने की अनुमति दी गई थी और वह मलेशिया चला गया था।

क्वात्रोची पर ध्यान तब फिर से केंद्रित हुआ जब यूपीए सरकार ने ब्रिटेन में उसके बैंक खाते से लाखों डॉलर की रिलीज को चुनौती देने से इनकार कर दिया। 1987 में स्वीडिश पब्लिक ब्रॉडकास्टर ने भारत और स्वीडन दोनों को चौंका दिया था जब उन्होंने होवित्जर डील में रिश्वत के भुगतान का खुलासा किया था।

सीबीआई ने 1990 में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी और 1999 और 2000 में चार्जशीट दाखिल की थी। राजीव गांधी को बरी करने के बाद विशेष अदालत ने अन्य आरोपियों, जिनमें हिंदुजा बंधु भी शामिल थे, के खिलाफ सभी आरोप हटा दिए थे। 2011 में क्वात्रोची को भी बरी कर दिया गया। अदालत ने सीबीआई की याचिका को मंजूरी दी और उसकी खिलाफ की गई कार्रवाई को वापस ले लिया।

'बांग्लादेश और भारत के रिश्ते मजबूत, बस गलतफहमी दूर करनी है'- मुहम्मद युनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत के साथ संबंधों को मजबूत बताते हुए, दोनों देशों के बीच बढ़ती गलतफहमियों को दूर करने की कोशिशों का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और भारत के रिश्ते मजबूत हैं और इन पर कोई असर नहीं पड़ा है, हालांकि कुछ विवाद जरूर पैदा हुए हैं, जिनका कारण उन्होंने गलत जानकारी और प्रचार बताया। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक संबंध इतने गहरे हैं कि उन्हें बदल पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश-भारत के रिश्ते अच्छे नहीं हो सकते, ऐसा कोई सवाल ही नहीं है। हमारे रिश्ते बहुत करीब हैं और हमारी आपसी निर्भरता बहुत अधिक है। हालांकि, कुछ समस्याएं आई हैं, जिन्हें मैंने बादल की तरह बताया है जो बीच में आ गए हैं। ये बादल ज्यादातर प्रचार से उत्पन्न हुए हैं और इसका स्रोत कौन है, यह दूसरों पर छोड़ता हूं।' अंतरिम सरकार के प्रमुख ने यह भी कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच गलतफहमियों को दूर करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग को फिर से मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश और भारत के बीच लगातार संवाद हो रहा है। 'भारत के प्रतिनिधि यहां आ रहे हैं और हमारे अधिकारी वहां जा रहे हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी पहली सप्ताह में बात की थी'।

टैरिफ बढ़ाने का फैसला पड़ गया उल्टा!

चीन, कनाडा और मैक्सिको ने उठाए ये कदम

डेस्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार से मेक्सिको और कनाडा से आयातित वस्तुओं पर 25% टैरिफ लागू कर दिए हैं. साथ ही चीन से आयातित वस्तुओं पर पहले से लागू 10% टैरिफ को बढ़ाकर 20% कर दिया गया है. इन टैरिफ का उद्देश्य इन देशों से अमेरिका में फेंटानिल और अन्य अवैध दवाओं की तस्करी को रोकना है. ये टैरिफ मूल रूप से पिछले महीने लागू होने वाले थे, लेकिन इनमें 30 दिन की रोक लगी थी.

कनाडा ने उठाया ये बड़ा कदम

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिकी टैरिफ के जवाब में मंगलवार से अमेरिकी वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जो 30 बिलियन कनाडाई डॉलर मूल्य की वस्तुओं पर लागू होगा. यदि अमेरिकी टैरिफ वापस नहीं लिए जाते हैं तो कनाडा अगले 21 दिनों में अतिरिक्त 125 बिलियन कनाडाई डॉलर मूल्य की अमेरिकी वस्तुओं पर भी टैरिफ लगाएगा. ट्रूडो ने कहा कि कनाडा के टैरिफ

तब तक लागू रहेंगे जब तक अमेरिकी व्यापारिक कार्रवाई वापस नहीं ली जाती और यदि ऐसा नहीं होता है तो वे अन्य गैर-टैरिफ उपायों पर भी विचार करेंगे.

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा कि उनका देश अमेरिकी टैरिफ के प्रभावी होने की स्थिति में प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है. हालांकि उन्होंने विशेष उपायों का विवरण नहीं दिया, लेकिन संकेत दिया कि मेक्सिको के पास बैकअप योजनाएं हैं.

चीन के वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि वे अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10% से 15% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे. 10% टैरिफ सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ, मछली, फल, सब्जियां और डेयरी उत्पादों पर लागू होगा, जबकि 15% टैरिफ चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर लगाया जाएगा. इसके अलावा, चीन ने 25 अमेरिकी कंपनियों पर निर्यात और निवेश प्रतिबंध भी लगाए हैं. इन टैरिफ के कारण उत्तरी अमेरिका में आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई है. अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट देखी गई है, जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर प्रश्नचिह्न लग गया है. अमेरिका, कनाडा, मेक्सिको और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है.

सर्बिया की संसद में भारी बवाल!

सांसदों ने फेंके कई स्मोक ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले

नई दिल्ली यूरोपीय देश सर्बिया की संसद में विपक्षी सांसदों ने भारी बवाल मचाया है. विपक्षी सांसदों ने संसद में एक के बाद एक कई स्मोक ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले फेंके जिससे संसदीय सत्र में भारी अव्यवस्था फैल गई. संसद में हाथापाई भी देखने को मिली. संसदीय सत्र के लाइव टेलीविजन प्रसारण में दिखाया गया कि सर्बियाई विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को सरकार की नीतियों के विरोध में संसद के अंदर स्मोक ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले फेंके. इसके बाद पूरे संसद में काला और गुलाबी धुआं फैल गया. विपक्षी सांसद सरकार से नाराज प्रदर्शन कर रहे छात्रों का भी समर्थन कर रहे थे. चार महीने पहले सर्बिया में रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई थी. इसके बाद सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुए जो अब सरकार के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं. विधान सभा सत्र में, सर्बियाई प्रगतिशील पार्टी (एसएनएस) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन ने सत्र के एजेंडे को मंजूरी दी जिसके बाद कुछ विपक्षी नेता अपनी सीट से उठकर संसद के अध्यक्ष की तरफ दौड़े. इस दौरान सुरक्षा गार्ड्स से उनकी हाथापाई देखने को मिली. वहीं, कुछ विपक्षी सांसदों ने स्मोक ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले फेंके. लाइव प्रसारण में संसद की इमारत के अंदर काला और गुलाबी धुआं उठता दिखाई दिया. स्पीकर एना ब्रनाबिक ने कहा कि इस दौरान दो सांसद घायल हुए हैं, जिनमें से एक, एसएनएस पार्टी की जैस्मिना ओब्राडोविक को स्ट्रोक हुआ है और उसकी हालत गंभीर है. उन्होंने सत्र में कहा, 'संसद काम करना और सर्बिया की रक्षा करना जारी रखेगी.' मंगलवार को सर्बियाई संसद को देश की यूनिवर्सिटीज के लिए धनराशि बढ़ाने वाला कानून पारित करना था. इस कानून की मांग को लेकर दिसंबर से ही सर्बिया के छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं. संसद में देश के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक के इस्तीफे पर भी चर्चा होनी थी लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन ने सत्र के एजेंडे में कई ऐसे मुद्दों को रखा जिससे विपक्ष बुरी तरह भड़क गया.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569